।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 360

नर्मदापुरम

सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

खास बात

मौत अगर आसान नहीं, जीना भी आसान नहीं। मौत को मुश्किल जानने वालों, जीना मौत से मुश्किल है ।।

- जगन्नाथ 'आजाद'

संक्षिप्त समाचार

25 साल बाद मिला फिल्मफेयर अवॉर्ड, इमोशनल हुए अभिषेक पिता-बेटी को बताया अपना 'हीरो

भोपाल। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सेरेमनी में अभिषेक ने अपना बेस्ट एक्टर अवॉर्ड कार्तिक आर्यन के साथ शेयर किया.

एक्टर को अपनी फिल्म 'आई वॉन्ट टू टॉक' के लिए ये सम्मान मिला है. अवॉर्ड लेने के बाद, जब स्पीच की बारी आई, तब अभिषेक उस पल थोड़े थम से गए. उन्होंने अवॉर्ड जीतने के बाद शब्द बोलने के लिए थोड़ी हिम्मत जुटाई क्योंकि वो काफी भावुक हो गए थे. अभिषेक ने बेस्ट एक्टर अवॉर्ड पाकर कहा, 'इस साल फिल्म इंडस्ट्री में मेरे 25 साल पूरे हो रहे हैं और मुझे याद नहीं कि मैंने इस अवॉर्ड के लिए कितनी बार स्पीच की तैयारी की है. ये एक सपना रहा है और मैं बहुत भावुक और विनम्र हूं. अपने परिवार के सामने इसे हासिल करना और भी खास बना देता है.''

3 दिवसीय राष्ट्रीय ट्रायथलॉन प्रतियोगिता का हुआ समापन

भोपाल। भारतीय ट्रायथलॉन संघ द्वारा प्रकाश तरण पुष्कर भोपाल में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सब जूनियर एवं जूनियर एक्वाथलान प्रतियोगिता का आज समापन हुआ। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने राजधानी में तीन दिवसीय राष्ट्रीय ट्रायथलॉन प्रतियोगिता में भागीदारी करने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। राजधानी भोपाल में 10 से 12 अक्टूबर तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 23 राज्यों के 184 बालक एवं बालिकाओं, 46 कोच मैनेजर एवं 50 तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के पहले दिन मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी की प्रतिभावान खिलाड़ी मनवा पावले ने मध्यप्रदेश को पहला कांस्य पदक दिलाया।

जेके रास चुनाव के लिए भाजपा ने किया उम्मीदवारों का ऐलान

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने द्विवार्षिक चुनावों के लिए तीन नामों की घोषणा की है। इनमें गुलाम मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और शत शर्मा शामिल हैं। शनिवार को पूरे दिन पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक उम्मीदवारों के नामों की घोषणा का इंतजार करते रहे। देर रात तक भी सूची जारी नहीं हुई, जिसके बाद यह साफ हो गया था कि रविवार को किसी भी हाल में नामों की घोषणा की जाएगी, क्योंकि नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि सोमवार निर्धारित है।

सीएम ने पूर्व विधायक तिवारी के निधन पर दुःख व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व विधायक, राष्ट्रवादी नेता श्री शंकरलाल तिवारी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व विधायक स्व. श्री तिवारी बचपन से ही संघ से जुड़े थे और बेबाक शैली के लिए जाने जाते थे। स्व. श्री तिवारी आपातकाल में मीसा बंदी के रूप में कारावास में रहे। तीन बार सतना विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहकर उन्होंने आमजन के हित में सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्योपुर से किसानों को किया वर्चुअली सम्बोधित

भावांतर धन्यवाद ट्रैक्टर रैली निकली किसानों की खुशहाली हमारी प्राथमिकता

इंदौर ■ एजेंसी

दशहरा मैदान के बाद इंदौर के समीप देपालपुर क्षेत्र से ट्रैक्टर रैली निकाली गई, जो सुपर कॉरिडोर पहुंची। इस रैली का उद्देश्य सोयाबीन भावांतर योजना से जुड़ा था। रैली में शामिल किसान ट्रैक्टर लेकर सुपर कॉरिडोर तक पहुंचे। यहां रैली एक सभा में बदल गई। सभा में मुख्यमंत्री मोहन यादव वर्चुअली जुड़े। उन्होंने कहा कि इस योजना के जरिए हमने यह तय किया है कि किसानों को उनकी फसल, उपज को उचित मूल्य मिले।

बाजार में यदि उपज के दाम घटते भी है तो किसानों को नुकसान नहीं हुआ। सरकार तय भावों में किसानों से उपज खरीदेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की खुशहाली उनकी सरकार की प्राथमिकता है। इसमें कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। किसान इस योजना से खुश है। यही कारण है कि इतनी बड़ी संख्या में ट्रैक्टर लेकर यहां आए है। किसानों ने उनका भाषण ट्रैक्टरों पर बैठकर ही सुना।

किसानों को बताया गया कि प्रदेश में डेढ़ हजर से ज्यादा स्थानों पर पंजीयन केंद्र बनाए गए है। पांच लाख से ज्यादा किसानों ने अपनी फसल का पंजीयन कराया है। सोयाबीन फसल के लिए भी पंजीयन शुरू हो गया है और 35 हजार से ज्यादा किसानों ने इसके लिए पंजीयन कराया है। इसकी अंतिम तिथि 17 अक्टूबर तक है। तब तक और भी किसान पंजीयन करा सकते है। उधर इस योजना का कांग्रेस और कुछ किसान संगठन विरोध कर रहे है। उनका कहना है कि योजना से किसानों को कोई फायदा नहीं हो रहा है। पिछली सरकार ने भी यह योजना लागू की थी, लेकिन वह फ्लॉप साबित हुई।

सैकड़ों किसानों ने जताया सीएम का आभार

लाडली बहनों के खातों में राशि ट्रांसफर कर बोले सीएम- अगले महीने से देंगे 1500 रुपए, श्योपुर को कई सौगातें दीं

श्योपुर से लाड़ली बहना योजना की एक करोड़ 27 लाख महिलाओं के खातों में 1541 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज के बाद से मतलब आने वाली किस्त 1500 रुपए की होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को श्योपुर में कहा कि राज्य सरकार बहनों की खुशहाली और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने घोषणा की कि दीपावली और भाईदूज के अवसर पर 'लाड़ली बहना योजना' की राशि बढ़ाकर 1500 रुपये प्रतिमाह कर दी जाएगी। अब आगे बहनों को बढ़ी हुई राशि मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेश की एक करोड़ 26 लाख से अधिक बहनों के खातों में 29वीं किस्त के रूप में 1541 करोड़ रुपये का अंतरण किया। सीएम ने कहा कि बहनों के लिए हमारी सरकार के पास पैसों की कोई कमी नहीं है। ये आपका प्रेम ही है, जिससे मुझे आपकी खुशहाली के लिए सतत कार्य करने की ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 532 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

सीएम आज एमएसएमई इकाइयों को अंतरित करेंगे 200 करोड़

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 13 अक्टूबर को होटल ताज फ्रंट में एमएसएमई सम्मेलन 2025 में शामिल होंगे। सम्मेलन एमएसएमई के विकास एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एमएसएमई विकास नीति के अंतर्गत प्रदेश के 48 जिलों की 700 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को सिगंल क्लिक के माध्यम से 200 करोड़ से अधिक की अनुदान राशि अंतरित करेंगे।

बिहार एनडीए में सीट बंटवारे का ऐलान

101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी भाजपा और जेडीयू

पटना ■ एजेंसी

बिहार में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है। इसे लेकर एनडीए गठबंधन में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय हो गया है। सीट बंटवारे के तहत इस बार जदयू और बीजेपी 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली है। वहीं चिराग पासवान की पार्टी को 29 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए दिया गया है। इसके अलावा जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को 6-6 सीट दी गई हैं।

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि हम एनडीए परिवार ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सीटों का बंटवारा पूरा किया है। भाजपा और जेडीयू को 101-101 सीटें मिलीं, जबकि लोजपा को 29, आरएलएम एवं हम को 6-6 सीटें मिलीं। उन्होंने आगे कहा कि बिहार है तैयार, फिर से एनडीए सरकार, इस बार पूरे दम के साथ बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के साथ। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने 'एक्स' पर लिखा, ÷हम एनडीए साथियों ने मिल-बैठकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में सीटों का वितरण पूरा किया। एनडीए के सभी दलों के कार्यकर्ता और नेता इस सर्वसम्मत निर्णय का हर्षपूर्ण स्वागत करते हैं। बिहार है तैयार, फिर से एनडीए सरकार।

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि हम एनडीए के साथियों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में सीटों का वितरण पूर्ण किया है। एनडीए के सभी दलों के नेता और कार्यकर्ता साथी सीट शेयरिंग फॉर्मूला का हर्ष के साथ स्वागत करते हैं और नीतीश कुमार को प्रचंड बहुमत के साथ फिर से मुख्यमंत्री बनाने के लिए संकल्पित एवं एकजुट हैं। बिहार है तैयार, फिर से एनडीए सरकार। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि संगठित व समर्पित एनडीए आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए परिवार के सभी सदस्यों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी सहमति से सीटों का वितरण पूर्ण किया, जो कि इस प्रकार है- भाजपा को 101 सीट, जदयू को 101 सीट, लोजपा (रामविलास) को 29 सीट, रालोमो को 06 सीट, हम को 06 सीटें मिलीं। उन्होंने आगे कहा कि एनडीए के सभी दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने इस निर्णय का हर्षपूर्वक स्वागत किया है।

दिल्ली-काबुल उड़ानें होंगी शुरू, अफगान ने भारत से मांगा अटारी-वाघा बॉर्डर खोलने का रास्ता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अपने सात दिवसीय भारत दौरे पर आए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने रविवार को दिल्ली स्थित अफगान दूतावास में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कई बड़ी घोषणाएं कीं और महिलाओं की शिक्षा, पाकिस्तान और अमेरिका को लेकर तालिबान सरकार का रुख स्पष्ट किया। इस बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

विदेश मंत्री मुत्ताकी ने बताया कि भारतीय विदेश मंत्री के साथ उनकी मुलाकात बेहद सकारात्मक रही। दोनों देशों के बीच अफगानिस्तान में रुके हुए विकास कार्यों को फिर से शुरू करने और अधूरे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने पर सहमति बनी है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही दिल्ली और काबुल के बीच सीधी उड़ानें शुरू की जाएंगी।

मुत्ताकी ने कहा, भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त कमेटी का गठन किया जाएगा। हमने व्यापारियों और छात्रों के लिए वीजा सुविधा बढ़ाने पर भी बात की है। उन्होंने भारत को कृषि समेत विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का निमंत्रण दिया और व्यापार के लिए अटारी-वाघा बॉर्डर को खोलने का अनुरोध किया। साथ ही, भारत में हिरासत में लिए गए अफगान नागरिकों की रिहाई का मुद्दा भी उठाया, जिस पर भारतीय विदेश मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया है।

कर्मचारियों की महाक्रांति रैली में जुटे कर्मचारी, बोले- वादों से थक चुके

राजधानी भोपाल में रविवार को विभिन्न विभागों में कार्यरत बैंक मित्र, पंचायत चौकीदार, पंप ऑपरेटर, अंशकालिक कर्मचारी, राजस्व सर्वेक्षक, आउटसोर्स और संविदा कर्मियों ने एकजुट होकर विशाल महाक्रांति रैली निकाली। संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने आरोप लगाया कि प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था अब ठेका और आउटसोर्स कंपनियों के भरोसे चल रही है।

पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

दो बूंद जिंदगी की, दो बूंद स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण की : सीएम

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार सुबह मुख्यमंत्री निवास से तीन दिवसीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान (12 से 14 अक्टूबर) का शुभारंभ किया। उन्होंने बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो-दो बूंदें पिलाकर अभियान की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोलियो की दो बूंदें न केवल बच्चों को आजीवन सुरक्षा देती हैं, बल्कि यह स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र की नींव भी रखती हैं। मुख्यमंत्री ने सभी अभिभावकों से अपील की कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक पीने से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी बीमारी एक बच्चे को जीवनभर पराश्रित बना सकती है, इसलिए इसे पूरी तरह खत्म करना हम सभी का कर्तव्य है।

दवा सुरक्षा को लेकर सख्त हुई एमपी सरकार

कफ सिरप निर्माताओं की होगी जांच, संदिग्ध उत्पादों पर नजर

भोपाल। छिंदवाड़ा में बच्चों की दर्दनाक मौत के बाद मध्यप्रदेश सरकार दवा सुरक्षा को लेकर सख्त हो गई है। डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने औषधि निगरानी और नियंत्रण व्यवस्था की वृहद समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि दोषियों पर कठोर कार्रवाई और दवा गुणवत्ता पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि छिंदवाड़ा कांड से जुड़ी तमिलनाडु स्थित दवा निर्माता कंपनी के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार लगातार संपर्क में रहे। उन्होंने कहा, यह केवल लापरवाही नहीं, एक गंभीर अपराध है जिसमें हमने अपने अनमोल जीवन खोए हैं। ऐसे मामलों में कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष

राजधानी में निकला भव्य पथ संचलन, हजारों स्वयंसेवकों ने बढ़ाई राष्ट्रभक्ति की भावना

व्यापारियों ने किया पथ संचलन का स्वागत

भोपाल ■ प्रतिनिधि

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में राजधानी भोपाल में रविवार को भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। शहर के विभिन्न नगरों में हुए इन पथ संचलनों ने अनुशासन, समरसता और राष्ट्रभावना का सशक्त संदेश दिया। सबसे बड़े आयोजन टीटी नगर स्टेडियम से शुरू हुए पथ संचलन में करीब दो हजार स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल हुए। यह संचलन टीटी नगर स्टेडियम से प्रारंभ होकर थाने के सामने से होते हुए रोशनपुरा चौराहा और रंगमहल टॉकीज से होकर पुनः स्टेडियम पर समाप्त हुआ। पथ संचलन में डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, अधिवक्ता और विभिन्न सरकारी सेवाओं से सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हुए। स्वयंसेवकों की अनुशासित कदमताल के साथ सड़कों पर खड़े नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। पूरा वातावरण राष्ट्रगान, जयघोष और देशभक्ति गीतों से गूंज उठा।

महावीर नगर में स्वयंसेवकों का अनुशासित प्रदर्शन

संघ के तात्या टोपे जिले के महावीर नगर स्थित शिवाजी बस्ती में भी पथ संचलन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। लिंक रोड नंबर 2 स्थित हनुमान मंदिर एवं बाल उद्यान से प्रारंभ यह संचलन अर्जुन नगर, सरस्वती शिशु मंदिर, दुर्गा नगर और पांच नंबर क्षेत्र से होकर पुनः बाल उद्यान पर समाप्त हुआ।

इसमें 177 स्वयंसेवक ढाई किलोमीटर तक अनुशासित कदमताल करते हुए आगे बढ़े। पथ संचलन के दौरान राष्ट्रीय चेतना और अनुशासन का अनुपम दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम में जिला प्रचारक धर्मेंद्र सोनकिया ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन की दिशा में एक संकल्प यात्रा है। पंच परिवर्तन की यात्रा भाषणों का विषय नहीं, बल्कि आत्मपरिवर्तन से समाज परिवर्तन का मार्ग है। उन्होंने कहा कि यह पथ संचलन शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि स्वयंसेवकों के वर्षभर के परिश्रम और अनुशासन का प्रतीक है। मुख्य अतिथि के रूप में आयरनमैन और सहनशक्ति कोच प्रवीण सपकाल उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शारीरिक, मानसिक और राष्ट्रीय अनुशासन के माध्यम से ही समाज में सशक्त परिवर्तन संभव है। आयोजन की अध्यक्षता नगर कार्यवाह मथुरा प्रसाद राजपूत ने की।

राम वन पथ गमन से टाइगर कॉरिडोर तक, मप्र की क्षेत्रीय पहल से मध्य भारत बनेगा पर्यटन हब : एसीएस

मध्यप्रदेश की क्षेत्रीय साझेदारियों से खुलेगा विकास का द्वार : लोधी

भोपाल ■ प्रतिनिधि

पर्यटन राज्य मंत्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी ने कहा है कि पर्यटन का भविष्य साझेदारी में निहित है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पारिस्थितिक ताने-बाने से जुड़े हमारे राज्य मिलकर ऐसे संयुक्त पर्यटन परिपथ और अनुभव गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं, जो न केवल घरेलू बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मध्य भारत को एक नई पहचान देंगे। लोधी मध्यप्रदेश ट्रेवल मार्ट के दूसरे दिन फॉस्टरिंग इन्टर स्टेट टूरिज्म कोलेबरेशन विषय चर्चा कर रहे थे। मध्यप्रदेश न केवल भौगोलिक रूप से, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी भारत का केंद्र है। हमें यह समझना होगा कि अकेले आगे बढ़ने की बजाय मिलकर चलना ज्यादा प्रभावी होता है।

अपर मुख्य सचिव पर्यटन व संस्कृति एव प्रबंधन संचालक मप्र टूरिज्म बोर्ड शिवशेखर शुक्ल ने कहा कि मप्र अब एक विविधतापूर्ण, बहुआयामी और ऑफबीट पर्यटन गंतव्य के रूप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहा है। यहां विरासत, वन्यजीवन, रोमांच, संस्कृति, कला, हस्तशिल्प और पाक-परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की सीमा से लगे अन्य राज्य जैसे छत्तीसगढ़ से राम वन पथ गमन सर्किट, महाराष्ट्र के साथ ज्योर्तिलिंग सर्किट जैसे संयुक्त कार्यों पर काम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त टाइगर कॉरिडोर, फिल्म पर्यटन और ईको टूरिज्म के साझा विकास की संभावना भी तलाशी जा सकती है।

राजस्थान के साथ संयुक्त पर्यटन की संभावनाएं

मध्यप्रदेश और राजस्थान को एक संयुक्त इनबाउंड पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रयास जारी हैं। इसके अंतर्गत सीमा-पार पर्यटन ढांचे को मजबूत करने और सतत गंतव्य विकास को बढ़ावा देने की योजना है। हेरिटेज धरोहर परियोजना के अंतर्गत दोनों राज्यों की सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत को जोड़ते हुए उनका संयुक्त प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

दंत चिकित्सा जांच एवं उपचार शिविर का सफल आयोजन !

भोपाल। भाभा यूनिवर्सिटी के अंतर्गत संचालित भाभा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज के डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री द्वारा दंत चिकित्सा जांच एवं उपचार शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कैंप शाहपुरा के बाबा नगर में आयोजित किया गया। इस शिविर में डॉ. अभिषेक गुप्ता की टीम ने लगभग 100 लोगों का नि:शुल्क दंत परीक्षण किया और 20 लोगों का तत्काल उपचार भी किया गया। इस पहल का स्थानीय नागरिकों द्वारा व्यापक सराहना के साथ स्वागत किया गया। शिविर का उद्देश्य समुदाय के लोगों को उनके मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और आवश्यक दंत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस तरह के और सामाजिक सरोकार के कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प जताया है।

78वें वार्षिक निरंकारी संत समागम की तैयारियाँ व्यापक स्तर पर

भोपाल ■ निसं

संत निरंकारी मिशन का 78वां वार्षिक संत समागम, पूर्ववर्ती वर्षों की दिव्यता और गरिमा के अनुरूप, इस वर्ष भी 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2025 तक समालखा (हरियाणा) स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर अत्यंत भव्यता, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के साथ आयोजित होने जा रहा है। यह दिव्य आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में संपन्न होगा, जिसकी शुभ सूचना ने समस्त श्रद्धालु भक्तों के हृदयों में अपार हर्ष और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर दिया है। 'आत्ममंथन' विषय पर आधारित इस वर्ष का वार्षिक संत समागम अपने आप में एक अद्भुत एवं

अनुपम आध्यात्मिक यात्रा है, जहां श्रद्धालु ब्रह्मज्ञान की आंतरिक ज्योति में सेवा, सिमरन और सत्संग करते हुए आनंद और प्रेमाभक्ति का अनुभव प्राप्त करेंगे।

इस दिव्य उत्सव की तैयारियाँ अत्यंत श्रद्धा, लगन एवं नि:स्वार्थ भावना से की जा रही हैं। श्रद्धालु भक्त, चाहे वे वृद्ध हों या युवा, पुरुष हों या महिलाएं, हर पृष्ठभूमि के भक्त सेवा में पूर्ण रूप से रत हैं। प्रात: काल की प्रथम किरण से लेकर संध्या के अंतिम प्रकाश तक, हर ओर भक्ति भाव से समर्पित सेवा का अपूर्व आलोक दिखाई देता है। कोई मिट्टी के तसले ढो रहा है, कोई शामियाने गाढ़ रहा है, तो कोई सफाई, जल प्रबंधन या भोजन व्यवस्था में जुटा है। 78वें वार्षिक संत समागम की भव्यता को प्रकट करता हुआ मुख्य गेट भी आकार लेने लगा है - एक ऐसा प्रवेश-द्वार, जो प्रेम, समरसता और आत्मिक एकत्व की यात्रा का प्रतीक बनेगा।' यह सब कुछ समर्पण की उस भावना का प्रमाण है, जो सतगुरु के ज्ञान से उत्पन्न होती है। जिस प्रकार कहा भी गया है कि 'जहाँ सेवा में समर्पण जुड़ जाता है, वहीं हर क्षण उत्सव बन जाता है।' सेवा भाव की गरिमा को देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि इन सेवकों के मुखमंडलों पर कोई थकान नहीं, अपितु आनंद और उल्लास की आभा झलक रही है। यह वही दिव्य आनंद है, जिसे केवल सतगुरु की छत्रछाया में रहकर, सेवा और भक्ति के माध्यम से अनुभव किया जा सकता है। सतगुरु माता जी भी अपने प्रवचनों में बारंबार यही प्रेरणा देती हैं कि 'तन पवित्र सेवा किये, धन पवित्र दिये दान, मन पवित्र हरि भजन सों, त्रिबिध होई कल्याण।' देश के कोने-कोने से ही नहीं, अपितु विदेशों से भी लाखों श्रद्धालु भक्त इस संत समागम में सम्मिलित होने के लिए पधारते हैं। उनके स्वागत एवं सुविधाओं हेतु सभी आवश्यक प्रबंध अत्यंत सुचारू रूप से किए जा रहे हैं। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और हवाई अड्डों पर निरंकारी सेवादल के अनुशासित, मर्यादित एवं सुसज्जित सेवादार अपनी नीली और खाकी वर्दियों में श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन करते हुए उन्हें उनके निर्धारित निवास स्थलों तक ससम्मान पहुँचाने हेतु सतत तत्पर रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

टीला पुलिस ने कुख्यात बदमाश को धारदार तलवार लहराते हुए किया गिरफ्तार

भोपाल। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन मे अपराधो की रोकथाम, चाकूबाज, शातिर बदमाशो की धडपकड का अभियान चलाया जा रहा है ।इसी तारतम्य मे दिनांक 11-12/10/25 की दरम्यानी रात को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि थाने का गुण्डा बादमाश फैसल उर्फ चुहा बादशाह कसाई की दुकान के पास धारदार तलवार हवा मे लहरा रहा है, एवं लोगो को डरा धमका रहा है जिससे जनता मे भय व्याप्त हो गया है कि सूचना पर तत्काल टीम को मुखबिर बताये स्थान बादशाह कसाई की दुकान के पास बाग मुफ्ति साहब के पास धडपकड हेतु रवाना किया गया। जिनके द्वारा मौके पर पहुचकर देखा एवं दबिश दी गई जो बदमाश पुलिस को देखकर भागने लगा ,जिसे हिकमतअमली से घेराबंदी कर पकडा, जिसने अपना नाम फैसल उर्फ चूहा पिता स्वं. मो. फईम उर्फ रेहान उर्फ पंचर उम्र 24 साल निवासी मनं. 1235 बादशाह कसाई की दुकान के पास बाग मुफ्ति साहब थाना टीलाजमालपुरा भोपाल को होना बताया ।एवं बदमाश के कब्जे से एक धारदार तलवार को मौके पर विधिवत जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया ।जप्तशुदा तलवार धारा 25/27 आर्म्स एक्ट की परिधि मे आने से विधिसम्मत कार्यवाही की जाकर अप.क्र. 287/25 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट कायम किया गया ।उक्त मामले मे आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है । यह कि बदमाश थाना क्षेत्र का कुख्यात गुण्डा बदमाश है जिसे अवैध हथियार के साथ पकडा गया ।

बदमाशों ने सुपरवाइजर पर डंडे से हमलाकर 9 हजार लूटे

भोपाल। बागसेवनिया इलाके में स्थित टीएम कान्वेंट स्कूल के पास शनिवार सुबह एक निजी अस्पताल के हाउसकिपिंग सुपरवाइजर पर दो नाबालिग सहित तीन युवकों ने डंडे से हमला कर उसकी शर्ट और पेंट की जेब से 9 हजार रुपए लूट लिए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर दो नाबालिगों को दबोच लिया जबकि तीसरा आरोपी फरार है। पुलिस के अनुसार, राहुल पाण्डे (32) पुत्र राजेश पांडे, बर्रई कटारा हिल्स में रहते हैं, और एक निजी अस्पताल में हाउसकिपिंग सुपरवाइजर हैं। शनिवार को उनकी बेटी का जन्मदिन था, इसलिए उन्होंने ड्यूटी से अवकाश लिया था। सुबह करीब 9 बजे वह रैपिडो से सवारी लेकर बागमुगालिया पहुंचे और परिचित का मकान देखने गए। लौटते समय टीएम कान्वेंट स्कूल के पास दो नाबालिग और एक युवक ने उन्हें डंडा दिखाकर रोका। एक नाबालिग के हाथ में कांच और युवक के हाथ में डंडा था। तीनों ने गाली-गलौच करते हुए डंडे से हमला किया और राहुल की जेब से 9 हजार रुपए छीने। इसके बाद आरोपी पास की कॉलोनी की ओर भाग गए। राहुल की शिकायत पर पुलिस ने लूट का केस दर्ज किया। शुरुआती पड़ताल के बाद पुलिस ने दो नाबालिग आरोपियों को हिरासत में ले लिया, जबकि फरार आरोपी अप्पू की तलाश की जा रही है।

वृद्ध के साथ लूट करने वाले बदमाशो को राहगीरो ने दबोचा

भोपाल। शहर के अशोका गार्डन थाना इलाके में शुक्रवार देर रात करीब 1 बजे वृद्ध के साथ लूट की कोशिश करने वाले दो बदमाशो को राहगीरों ने दबोच लिया। बदमाश युवकों ने बुजुर्ग को छुरी दिखाकर लूटने का प्रयास किया। हिम्मत कर बुजुर्ग के चीखते हुए शोर मचा दिया, उनकी आवाजे सुन वहां मौजूद लोगों ने दोनों को दबोच लिया। बाद में मौके से निकल रही एक महिला पुलिसकर्मी ने रुककर थाने और डायल-112 को कॉल किया। लेकिन उनके कॉल करने के करीब आधे घंटे के बाद तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। आखिरकार स्थानीय लोग दोनों आरोपियो को खुद ही थाने लेकर पहुचें। बताया गया है की भीड़ ने दोनों बदमाशो की पिटाई लगा दी थी। आरोपियो में से एक नाबालिग है। वहीं लोगो के थाने जाने के बाद दो पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे थे। पुलिस का कहना है कि डायल-112 के सिस्टम में तकनीकी समस्या के कारण मैसेज समय पर नहीं मिला।

सामाजिक समरसता ही राष्ट्र की सच्ची शक्ति

भगवान श्रीराम ने संबंधों को जाति, वर्ग या रूप से नहीं, हृदय की शुद्धता से जोड़ा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ■ निसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम के चरित्र रामायण के रूप में मानवता को अनुपम उपहार दिया है। महर्षि वाल्मीकि की वाणी से जो रामायण निकली वह केवल ग्रंथ नहीं भारत की आत्मा है। उनकी रामायण में समरसता केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीता-जागता संदेश है। उन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन के माध्यम से दिखाया कि ईश्वर की दृष्टि में सब समान हैं। भगवान श्रीराम ने निषादराज को मित्र बनाया, शबरी माता के झूठे बेर प्रेम से खाए, हनुमान और वानर सेना को परिवार की तरह गले लगाया और धर्म युद्ध में सबको साथ लेकर चले। मुख्यमंत्री ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का आचरण हमें सिखाता है कि सच्ची समरसता वही है, जहां सबमें परमात्मा का अंश देखा जाए। उनका जीवन इसी भावना का मूर्त रूप है। भगवान श्रीराम के चरित्र को शब्दों में पिरोने वाले आदि कवि महर्षि वाल्मीकि अजर-अमर रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती प्रकटोत्सव के अवसर पर भोपाल के मानस भवन में 'समरसता सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और राज्यसभा सांसद एवं पीठाधीश्वर श्री क्षेत्र वाल्मीकि धाम, उज्जैन श्री बालयोगी उमेशनाथ महाराज ने दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन का विधिवत् शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि समाज के सतत् विकास की पहली जरूरत

सामाजिक समरसता है, जो साहचर्य और भाईचारे की भावना से जन्म लेती है। समरसता केवल एक विचार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। जब समाज आपसी सौहार्द, प्रेम और अपनत्व की भावना से मिल-जुलकर चलता है, तभी कोई राष्ट्र सशक्त और समृद्ध बनता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सच्ची समरसता वहीं है, जहां सबमें परमात्मा का अंश देखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने भारतीय संस्कृति को अनादिकाल से अविरल करने में महर्षि वाल्मीकि जी के योगदान को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने रामायण जैसी अमर कृति के माध्यम से न केवल मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन का चित्रण किया, बल्कि उस समय की सामाजिक व्यवस्था और मानवीय मूल्यों को भी प्रतिबिंबित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम का उलटा नाम निरंतर जपते-जपते वाल्मीकि महर्षि हो गए। डाकू रत्नाकर से ज्ञानी वाल्मीकि बनने तक की उनकी संघर्ष यात्रा तपस्या और आत्मसुधार की मिसाल है। महर्षि वाल्मीकि ने केवल श्रीराम का चरित्र नहीं लिखा, बल्कि उन्होंने मानवता का लेखन किया। रामायण सिर्फ एक ग्रंथ नहीं, सेवा, समरसता और करुणा का उत्तम उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने पिता-पुत्र संबंधों से लेकर अनुसूईया माता, शबरी माता, निषादराज, हनुमान, बाली-सुग्रीव जैसे चरित्रों के माध्यम से समाज में करुणा, निष्ठा, सेवा, सामाजिक समरसता, समानता और आत्मीयता का संदेश मंत्र दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि और उनकी रामायण आज एक-दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। रामायण ने न केवल राम कथा को अमर किया, बल्कि भारतीय संस्कृति के आदर्शों को भी अमरत्व प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता भारतीयों के लिए कोई बाध्यता नहीं, बल्कि यह हमारी आत्मा में, हमारे संस्कारों में और हमारे जीवनधारा में रक्त की तरह प्रवाहित होती है। उन्होंने कहा कि हम सुधरेंगे तो जग सुधरेगा, हमारे साधु-संतों, ऋषि-मुनियों, महर्षि-मनीषियों ने यही सिखाया है। यही वाक्य समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वाल्मीकि समाजजनों ने सभी सफाईकर्मियों को नियमित करने सहित समाज विकास से जुड़ी अन्य मांगें प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी सफाईकर्मियों और स्वच्छता मित्रों का समग्र कल्याण हमारी जिम्मेदारी है। हमारा प्रयास है कि वाल्मीकि समाज के बच्चे पढ़-लिखकर उद्योगपति, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और बड़े अधिकारी बनें। सरकार इन्हें हर जरूरी प्रोत्साहन देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर घड़ी आपके साथ है, वाल्मीकि समाज के विकास और कल्याण में हम कोई कमी नहीं रखेंगे।

राज्यसभा सांसद एवं पीठाधीश्वर श्री क्षेत्र वाल्मीकि धाम उज्जैन श्री बालयोगी उमेशनाथ महाराज ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने पवित्र ग्रंथ 'रामायण' की रचना की, जिसके माध्यम से उन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन को जन-जन तक पहुँचाया। भगवान श्रीराम ने केवट को गले लगाकर और शबरी के झूठे बेर खाकर सामाजिक समरसता का उच्चतम उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी सामाजिक समरसता के भाव को सशक्त रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। उनके द्वारा शुरू किया गया 'स्वच्छ भारत मिशन' इसका जीवंत प्रमाण है, जिसमें उन्होंने स्वयं झाड़ू उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

नुक्कड़ नाटक के जरिए दिया स्वच्छ भारत अभियान का संदेश

भोपाल, निप्र। स्पेलिंग्स और स्वामी विवेकानंद इंग्लिश स्कूल, भोजपुर रोड, भोपाल के नन्हे बच्चों ने 10 नंबर मार्केट में स्वच्छ भारत अभियान को बढ़ावा देने हेतु एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

बच्चों ने अपने प्रदर्शन के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमें सूखे और गीले कचरे को अलग करना चाहिए, प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना चाहिए, और अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखना चाहिए। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि कहीं भी कचरा न फेंके और पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखें।

इस आयोजन ने दर्शकों में जागरूकता पैदा की और स्वच्छता के महत्व को सरल और प्रभावशाली तरीके से समझाया।

बच्चों को बसों में जाकर पोलियों दवाई पिलाई

रोटरी क्लब ईस्ट ने बस स्टैंड पर बूथ लगाया

भोपाल ■ निसं

रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल द्वारा पोलियो दिवस अभियान पर आईएसबीटी पर बच्चों को पोलियों दवाई पिलाने हेतु बूथ लगाया ओर बसों में वाहन में परिवार के साथ यात्रा कर रहे 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को पोलियों दवाई वाहन में भी जाकर पिलाई यह अभियान प्रदेश के 18 जिलों में लोकस्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा है जिसमें रोटरी इंटरनेशनल की भी भागीदारी है भारत में 2013 में ही पोलियों समाप्त हो चुका है केवल पाकिस्तान अफगानिस्तान में कुछ अंश है इसलिए सतर्कता के लिए यह अभियान जारी है। बूथ पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नीतेश रावत एवं डॉ एस एन जोशी विश्व स्वास्थ्य संगठन भी पोलियों बूथ पर आए एवम रोटरी क्लब के अध्यक्ष विश्वास घुसे मानद सचिव ऋतुराज परमार पूर्व अध्यक्ष अल्पना मिश्रा जी के छिब्बर कला मोहन अश्वनी मोहन श्रीकांत फाटक मनोज झा रोहित पांडे एवं रोटरेक्ट क्लब के अध्यक्ष आलोक पटेल एवंसदस्य भी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश में आना मायके में आना जैसा लगता है: अभिनेत्री सुश्री राजवर

मप्र अपने आप में है फिल्म सिटी:एसीएस शुक्ला

भोपाल, निप्र। अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति और गृह एवं प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश अपने आप में फिल्म सिटी है। यहां की हर लोकेशन मनभावन और शानदार है जो फिल्म की खूबसूरती को और बढ़ा देती है। अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट में द फ्यूचर ऑफ फिल्म सेक्टर इन मध्यप्रदेश - फ्रॉम रील टू रियल ग्रोथ पर हुए पैनल डिस्कशन में अपने विचार रख रहे थे। अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश फिल्मांकन के लिए सुरक्षित और अपने आप में शांतिप्रिय राज्य है। यहां की प्रमुख विशेषता लाइन प्रोड्यूसर है। जिन्होंने निर्माताओं और निर्देशकों के लिए फिल्मांकन आसान बना दिया है।

अपर प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि मध्यप्रदेश अब फिल्म शूटिंग के लिए पसंदीदा राज्य बन गया है। इसके तीन मुख्य कारण है। फिल्म फ्रेंडली पॉलिसी, ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस और शानदार लोकेशंस। फिल्म

पर्यटन नीति में स्थानीय संस्कृति, महिलाओं पर केंद्रित, प्रदेश की स्थानीय भाषाओं में फिल्म, स्थानीय कलाकारों को फिल्म में लेने पर आकर्षक अनुदान दिया जा रहा है। पारदर्शी और त्वरित सिंगल विंडो सिस्टम ने फिल्मांकन को आसान बनाया है। इससे कही अधिक तो यहां के शूटिंग फ्रेंडली लोग है जिन्होंने फिल्मांकन को घर जैसा माहौल दिया है।

मध्यप्रदेश टैलेंट की नर्सरी - प्रसिद्ध अभिनेता गजराज राव: प्रसिद्ध अभिनेता गजराज राव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन के अधिकारी मोटिवेटेड और ऊर्जावान है। सभी अपने कार्यों को लेकर समर्पित है। इसका सीधा असर प्रदेश में आसान शूटिंग के रूप में देखने को मिलता है। स्थानीय लोगों का प्रेमपूर्वक व्यवहार ने इसे और अधिक सुविधाजनक बना दिया है। मध्यप्रदेश में साहित्य और रंगमंच का पुराना इतिहास रहा है। मध्यप्रदेश को टैलेंट की नर्सरी कहा जा सकता है। बॉम्बे से सहयोगी कलाकार लाने की जरूरत नहीं पड़ती है। मध्यप्रदेश में स्थानीय स्तर पर ही योग्य कलाकार मौजूद है। इसे फिल्म निर्माताओं का काम सरल हो जाता है।

प्रसिद्ध अभिनेत्री सुश्री सुनीता राजवर ने कहा कि गुल्लक और पंचायत में काम करते करते वह मध्यप्रदेश की ही हो गई है। यहां की मिट्टी और आबोहवा में घर जैसा लगता है। मध्यप्रदेश में आना मायके में आना जैसा लगता है। एक्टर, प्रोड्यूसर, लेखक और निर्माता को अपने से बांध लेने की खूबसूरती मध्यप्रदेश में है। मध्यप्रदेश से उनका फिल्म का सफर शुरू हुआ है, वह हमेशा प्रदेश की मिट्टी की ऋणी रहेंगी। मध्यप्रदेश के कलाकार किसी भी मायने में मुंबई के कलाकार से कम नहीं है बल्कि उनसे आगे ही है और जायेगे।

आईडीएफसी बैंक कर्मचारियों ने चार लोगो के साथ लोन के नाम पर की हेराफेरी

भोपाल। बागसेवनिया इलाके में आईडीएफसी के दो कर्मचारियों ने चार लोगों को पहले लोन दिलाया और फिर उसकी एनओसी दिलाने के नाम पर उसके खाते में आई लाखों रुपए की लोन की रकम उड़ा दी। पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक बैरसिया निवासी राजा राजपूत पुत्र ज्ञान सिंह राजपूत (25) एक निजी कंपनी में काम करता है। उसे कुछ समय पहले लोन की जरूरत थी। इस दौरान उन्होंने आईडीएफसी के मैनेजर उदित के फोन पर बातचीत हुई थी। इस पर उन्होंने अपने सेल्स ऑफिसर प्रशांत को नंबर दिया तो फरियादी ने उससे फोन पर बातचीत की। बाद में आरोपी प्रशांत ने उसे मिलने के लिए ढाबे पर बुलाया, जहां उसने अपने सर रोहन कुशवाहा से मुलाकात कराई। दोनों उसके मोबाइल से लोन के लिए एप्लाई किया और कुछ दिनों में ही एक लाख 43 हजार रुपए का लोन हो गया और रकम खाते में आई।

जैन समाज की महिलाओं ने मानसिक रोग जागरुकता अभियान चलाया

भोपाल। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद, कोहेफिजा शाखा, भोपाल द्वारा मानसिक रोग जागरूकता अभियान चलाया । परिषद की महिलाएं शिक्षा, चिकित्सा, पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य निरंतर करती हैं। इसी के तहत सांस्कृतिक सचिव प्रमिला भंडारी के निर्देशन में मानसिक रोग जागरूकता अभियान चलाया गया। सभी सदस्य सूती साड़ी के ऊपर जैकेट पहनकर भारतीय संस्कृति का परिचय दे रहे थे। समाज प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि, सभी बहनों ने बैनर लेकर रैली निकालकर लोगों को मानसिक रोग के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में डॉक्टर समृद्धि ने मानसिक रोग क्या है? उसका निवारण कैसे हो सकता है? महिलाएं उससे कैसे ग्रसित हैं।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में 14 एवं 15 अक्टूबर को होगा दिवाली स्किल्स वाली का आयोजन

भोपाल ■ निसं

भारतीय परंपरा एवं संस्कृति के साथ आधुनिक स्किल्स को प्रोत्साहित करने के प्रयास के तहत मिसरोद स्थित स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी कैंपस में दिपावली के उपलक्ष्य में विशेष स्किल आधारित एग्जीबिशन एवं फेयर - 'दिवाली स्किल्स वाली' का आयोजन 14 एवं 15 अक्टूबर को किया जा रहा है। इस दौरान उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि माननीय विधायक हुजूर विधानसभा श्री रामेश्वर शर्मा रहेंगे। इस दो दिवसीय आयोजन का उद्देश्य छात्रों, नवोदित उद्यमियों और स्थानीय युवाओं को विविध व्यावसायिक एवं रचनात्मक कौशलों से परिचित कराना है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण

लाइव डेमो - स्किल्स वर्कशॉप: इस दौरान जरी जरदोजी, ब्लॉक प्रिंट , पैच वर्क, मैकरेम, वीविंग, पोट्रेट मेकिंग, टैटू मेकिंग, दिया डेकोरेशन, रेजिन आर्ट इत्यादि पर लाइव वर्कशॉप्स में अनुभवी प्रशिक्षक कला की बारीकियों से युवाओं को अवगत कराएंगे।

उद्यमिता स्टॉल एवं प्रदर्शनी: ज्वैलरी, गार्मेंट, होम डेकोर, फर्निशिंग, बेकरी प्रोडक्ट्स, गेम्स, आर्ट एवं क्राफ्ट इत्यादि पर विभिन्न स्वदेशी उत्पादों को स्टॉल्स पर एग्जीबिट किए जा सकता है।

कलात्मक प्रदर्शन एवं मनोरंजन: ओपन माइक, फैशन शो, लकी ड्रॉ, क्विज, फन गेम्स एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ होंगी, जो कार्यक्रम को और जीवंत बनाएँगी।

प्रतियोगिताएँ एवं सम्मान समारोह: रील इंफ्लूएंसर कॉन्टेस्ट, फोटोग्राफी कॉन्टेस्ट, दिवाली कार्ड कॉन्टेस्ट, रंगोली कॉन्टेस्ट, दिया डेकोरेशन कॉन्टेस्ट, पोस्टर मेकिंग एवं पेंटिंग कॉन्टेस्ट, मेहंदी कॉन्टेस्ट, ऑरिगेमी (क्यूइलिंग एवं पेपर क्राफ्ट कॉन्टेस्ट) आदि विषयों में प्रतियोगिताएँ होंगी एवं विजेताओं को पुरस्कार दिए जाएंगे।

इस अवसर पर स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि इस आयोजन का मकसद सिर्फ़ दिवाली के उत्सव को रंगीन बनाना नहीं है, बल्कि यह युवाओं को रचनात्मकता के साथ व्यावसायिक कौशल सीखने के लिए प्रेरित करना है। कुलगुरू डॉ. विजय सिंह और कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि दिवाली स्किल्स वाली के माध्यम से युवाओं को कौशल के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें व्यवसायिक पहलूओं का अनुभव प्रदान करना है। कार्यक्रम में छात्रों और स्थानीय समुदाय सभी को आमंत्रित किया गया है। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल्स पर उपलब्ध है।

सड़कों पर सी एण्ड डी वेस्ट फेंकने वालों के विरूद्ध निगम ने प्रारंभ की सख्त कार्यवाही

भोपाल ■ निसं

नगर निगम द्वारा सड़कों, सार्वजनिक स्थलों पर सी.एण्ड.डी वेस्ट फेंकने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही प्रारंभ की है और रविवार को 40 प्रकरणों में 52 हजार 250 रुपये की राशि स्पॉट फाईन, जुर्माने के रूप में वसूल की जबकि शहर की साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध पृथक से की गई कार्यवाही में 212 प्रकरणों में 45 हजार 650 रुपये की राशि स्पॉट फाईन के रूप में वसूल की।

निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन द्वारा शहर में वायु गुणवत्ता में सुधार के दृष्टिगत सड़कों पर सी.एण्ड.डी वेस्ट फेंकने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु सख्ती के साथ दिए गए निर्देशों के परिपालन में निगम के अमले ने सी.एण्ड.डी वेस्ट फेंकने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की और जोन क्र. 02 में 01 प्रकरण में 250 रुपये, जोन क्र. 04 में 03 प्रकरणों में 01 हजार 100 रुपये, जोन क्र. 05 में 03 प्रकरणों में 01 हजार 300 रुपये, जोन क्र. 07 में 02 प्रकरणों में 05 हजार रुपये, जोन क्र. 10 में 02 प्रकरणों में 11 हजार रुपये, जोन क्र. 12 में 03 प्रकरणों में 01 हजार 500 रुपये, जोन क्र. 14 में 13 प्रकरणों में 17 हजार 500 रुपये, जोन क्र. 16 में 03 प्रकरणों में 05 हजार 600 रुपये, जोन क्र. 17 में 02 प्रकरणों में 03 हजार रुपये, जोन क्र. 18 में 08 प्रकरणों में 06 हजार रुपये की राशि स्पॉट फाईन, जुर्माने के रूप में वसूल की। इस प्रकार कुल 40 प्रकरणों में 52 हजार 250 रुपये की राशि वसूल की। इसके अतिरिक्त निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध भी कार्यवाही की और जोन क्र. 01 में 30 प्रकरणों में 03 हजार रूपये, जोन क्र. 18 में 10 प्रकरणों में 06 हजार 200 रूपये तथा जोन क्र. 20 में 10 प्रकरणों में 01 हजार रूपये की राशि वसूल की।

भीकनगांव विकासखंड में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से शुरू हुआ पल्स पोलियो अभियान

खरगोन। जिले में 14 अक्टूबर 2025 तक पल्स पोलियो अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में 12 अक्टूबर को अभियान के प्रथम दिवस भीकनगांव विकासखंड के रेहगांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर पल्स पोलियो अभियान के तहत जनप्रतिनिधि सरपंच श्रीमती रेखाबाई राजू, उप सरपंच श्री सुभाष यादव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती वैष्णवी यादव, आशा कार्यकर्ता श्रीमती कमला सावले एवं कविता आदि ने 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि अपने क्षेत्र में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के किसी भी बच्चे को पोलियो खुराक से वंचित न रहने दें और उन्हें पोलियो रोधी दवा अवश्य पिलाएं। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की है कि पोलियो उन्मूलन के लिए प्रत्येक बच्चे को टीकाकरण के दौरान दवा पिलाना सुनिश्चित करें।

बिना लाइसेंस विक्रय पर प्रतिबंध, निरीक्षण टीम करेगी सघन जांच

दीपावली के दौरान पटाखा विक्रय और भंडारण पर कलेक्टर के निर्देश

सागर ■ निसं

दीपावली पर्व के अवसर पर पटाखों की बिक्री और भंडारण को लेकर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री संदीप जी आर ने जिले के समस्त राजस्व अनुभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पटाखों के विक्रय, भण्डारण और निर्माण पर सख्त निगरानी आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रूप से निगरानी रखते हुए कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं ।कलेक्टर संदीप जी आर ने निर्देश दिए कि पर्व के दौरान प्रभावी राउण्डअप ड्यूटी लगाई जाए तथा प्रत्येक अनुविभाग में कर्मचारी नियुक्त किए जाएं जो नियमित रूप से बाजार, पटाखा बिक्री स्थलों, अस्थायी दुकानों और संभावित भंडारण क्षेत्रों में भ्रमण कर स्थिति का निरीक्षण करें। सभी थोक, फुटकर और अस्थायी विक्रेताओं की जांच अनिवार्य रूप से की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी विक्रेता बिना वैध लाइसेंस के पटाखों का विक्रय न कर रहा हो ।उन्होंने कहा कि कि अवैध निर्माण, भंडारण एवं विक्रय पर पूर्ण रूप से रोक सुनिश्चित की जाए। अनुविभागीय अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर यह सत्यापित करना होगा कि किसी भी दुकान या गोदाम में लाइसेंस सीमा से अधिक मात्रा में पटाखों का स्टॉक न हो और कोई भी प्रतिबंधित श्रेणी के पटाखे विक्रय या भंडारण हेतु उपयोग न किए जा रहे हों।

सुरक्षा मानकों जैसे अग्निशमन उपकरण, सुरक्षा दूरी और अन्य विस्फोटक नियमों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए ।कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि इस निगरानी हेतु संबंधित राजस्व, पुलिस, नगरपालिका, अग्निशमन विभाग आदि का संयुक्त निरीक्षण दल बनाया जाए जो प्रतिदिन क्षेत्र का भ्रमण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करे। यदि किसी भी स्थान पर अवैध गतिविधि पाई जाती है, तो तत्काल पुलिस व संबंधित विभाग के साथ कार्रवाई की जाए और इसकी सूचना शीघ्र जिला कार्यालय को भेजी जाए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर होगा 2 दिवसीय आयोजन

खंडवा, निप्र। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन खण्डवा के सहयोग से प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी हरफनमौला कलाकार किशोर कुमार की पुण्य तिथि के अवसर पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान अलंकरण समारोह 13 एवं 14 अक्टूबर, 2025 को पुलिस ग्राउण्ड, खण्डवा में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के पहले दिन ये शाम मस्तानी गीत-संगीत संध्या का आयोजन होगा। जबकि कार्यक्रम के दूसरे दिन अलंकरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। संचालक, संस्कृति विभाग एन.पी. नामदेव ने बताया कि महान गायक कलाकार किशोर कुमार की पुण्यतिथि के अवसर पर संस्कृति विभाग परम्परा अनुसार यह आयोजन करता आया है। इस वर्ष यह आयोजन 2 दिवसीय किया जा रहा है। पहले दिन 13 अक्टूबर को सायं 7 बजे से ''ये शाम मस्तानी'' गीत-संगीत संध्या के अंतर्गत किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति दी जायेगी। जिसमें राकेश नागर, सुनुपुर कौशल, अनिल शर्मा, अजीत श्रीवास्तव – इंदौर एवं भीमराव अटकड़े, गौरव खरे, राजा शर्मा, सुरोशनी पहलवान, जितेन्द्र भांवरकर एवं तोरल बखशी गीतों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के दूसरे दिन 14 अक्टूबर को सायं 7 बजे से राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान अलंकरण का आयोजन होगा। इसमें सुविख्यात गीतकार प्रसून जोशी को गीत लेखन के लिए वर्ष – 2024 का राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। अलंकरण के बाद हेमंत कुमार म्यूजिकल ग्रुप, मुम्बई द्वारा किशोर कुमार के गीतों की सुमधुर प्रस्तुति दी जाएगी। दोनों ही दिन कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं ने जल संरक्षण के लिए बनाया बोरी बंधान

खंडवा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड पुनासा की नवांकुर संस्था ग्राम विकास समिति चिकटीखाल और ग्राम पंचायत ने ग्रामवासियों के सहयोग श्रमदान कर गांव के पास ही आम वाले नाले पर 50 बोरियों की बोरी बंधान संरचना का निर्माण किया। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक जगदीश पटेल ने बताया कि इस बोरी बंधान से पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी तो मिलेगा ही साथ ही आस पास के किसानों को सिंचाई के लिए भी भरपूर पानी उपलब्धता रहेगा। उन्होंने बताया कि नवांकुर संस्था एवं प्रस्फुटन समितियों द्वारा स्थानीय ग्रामीणजनों के सहयोग से श्रमदान कर गांव के छोटे बड़े नालों पर बोरी बंधान बनाए जा रहे है। इसके अलावा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के प्रतिनिधियों ने विकास खण्ड पंधाना की ग्राम पंचायत बिलूद के सेक्टर 1 में 110 बोरियों से बोरी बंधान संरचना निर्मित की गई। इस कार्य में पृस्फुटन समिति के सचिव गजान्द भास्करे, ग्राम पंचायत सचिव जालम सिंह और सहायक सचिव मनिश राठौड़ का उल्लेखनीय योगदान रहा।

परिवहन विभाग की नई पहल, वाहन-4 पोर्टल से घर बैठे मिलेंगी आरटीओ की 31 सेवाएँ

इंदौर। प्रदेश के परिवहन विभाग ने वाहन-4 पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को सुविधाएँ प्रदान करने की दिशा में एक बड़ी पहल की है। अब समस्त जिलों में नवीन गैर-परिवहन और परिवहन मोटरयानों का पंजीयन इसी पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे आम जनता को भौतिक रूप से परिवहन कार्यालयों में नहीं जाना पड़ेगा। वाहन-4 पोर्टल की प्रमुख सुविधाएँ कहीं भी पंजीयन - नागरिक प्रदेश के किसी भी जिले में वाहन क्रय करने के बाद अपने मूल निवास या प्रदेश के किसी भी जिले का पंजीयन नंबर उसी क्रय-जिले में प्राप्त कर सकेंगे। डीलर के माध्यम से सुविधा - मोटरयान क्रय करते समय संबंधित ऑटोमोबाइल डीलर के माध्यम से ही पंजीयन की सुविधा प्राप्त की जा सकेगी। नागरिक अन्य प्रदेशों में भी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवा सकेंगे। भारत सीरीज (क्ष।। सीरीज) से संबंधित पंजीयन नंबर भी गैर-परिवहन मोटरयानों के लिए ऑनलाइन ही प्राप्त किए जा सकते हैं, जिसका लाभ केंद्र सरकार और 4 या अधिक राज्यों में कार्यालय रखने वाले निजी संस्थानों के कर्मचारियों को मिलेगा।

जमीन किसान की माँ है, कहकर किसानों से की पंजीयन की अपील

जल संसाधन मंत्री सिलावट ने चिमली में 10 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

इंदौर ■ निसं

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने रविवार को सांवेर विधानसभा क्षेत्र के चिमली (पानोड़) में 10 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन कर ग्रामीणों को कई महत्वपूर्ण सौगातें दी। मंत्री सिलावट ने 3.97 करोड़ की लागत से बनने वाले चिमली घाट का भूमिपूजन किया, जो अमावस्या जैसे पर्वों पर बड़ी संख्या में लोगों को स्नान की सुविधा देगा। साथ ही, 2.65 करोड़ की लागत से चिमली बैराज का निर्माण होगा, जिससे 140 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई संभव होगी और जल स्तर बढ़ेगा। इसके अलावा, 1.85 करोड़ की लागत से चिमली-पानोड़ गणपति मंदिर से बिलोदा सांवेर रोड का भूमिपूजन किया गया, जिससे हज़ारों ग्रामीणों को लाभ होगा। डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से ईट भट्टा तरफ पुलिया एवं सीसी रोड का लोकार्पण किया गया।

मंत्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गाँवों में सड़कों का जाल बिछने से स्कूल-कॉलेज, स्वास्थ्य सेवाएँ और रोजगार के नए रास्ते खुलते हैं। उन्होंने सांवेर विधानसभा को आदर्श विधानसभा बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने अधिकारियों को सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में और गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए।

किसानों को संबोधित करते हुए मंत्री सिलावट ने भावनात्मक अपील की। उन्होंने कहा, देश की आत्मा गाँवों में बसती है, और किसानों के लिए ज़मीन उनकी माँ होती है। उन्होंने किसानों को अपनी जमीन न बेचने की सलाह दी। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा संचालित भावांतर योजना में किसानों से बड़ी संख्या में पंजीयन कराने की अपील की, ताकि उन्हें अपनी फसलों का उचित दाम मिल सके। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

पीएम आवासों में आयुक्त की दो टूक: असामाजिक तत्वों को रोकें, काम में लाएं गति

इंदौर। नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत राऊ रंगवासा स्थित ताप्ती परिसर के निर्मित और निर्माणाधीन आवासों का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने आवासों की गुणवत्ता और मूलभूत सुविधाओं (जलापूर्ति, विद्युत, सड़क, स्वच्छता) की विस्तृत समीक्षा की। आयुक्त यादव ने मौके पर रहवासियों से सफाई, पानी और सीवरेज व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निर्माणाधीन इकाइयों के कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने का कड़ा निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान, रहवासियों द्वारा परिसर में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक प्रवेश और दुर्व्यवहार की शिकायत पर आयुक्त यादव ने तत्काल सीसीटीवी कैमरे लगाने और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने निवासियों से अपील की कि वे असामाजिक तत्वों की जानकारी नगर निगम को दें, ताकि पुलिस प्रशासन के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

आयुक्त ने परिसर में संचालित एसटीपी, संजीवनी अस्पताल, कचरा संग्रहण व्यवस्था और पार्क का भी जायजा लिया और निवासियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, अर्थ जैन, अभय राजनगांवकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का निकला भव्य पथ संचलन

माखननगर ■ निसं

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर माखन नगर में विजयदशमी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जो महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 केशव दास जी महाराज के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ । विगत एक सप्ताह से खंड के अलग-अलग मंडल में पथ संचलन निकाला जा रहा था । रविवार दोपहर के बाद मंगलवारा बाजार रामलीला मैदान में खंड माखन नगर के स्वयंसेवक एकत्रित हुए जहां से विशाल पथ संचलन निकाला गया जो नगर के मुख्य मार्ग ,मेन रोड, शनिचरा बजार ,पिपरिया नर्मदापुरम मार्ग ,गायत्री कॉलोनी ,आवास कॉलोनी, बागरा रोड होता हुआ वापस रामलीला मैदान पहुंचा । जहाँ पथ संचलन मे विधायक विजयपाल सिंह भी गणवेश में शामिल हुए स्वयंसेवकों का नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि आकाश तिवारी, वेयरहाउस संगठन अध्यक्ष बंटी आशीष साहू , दीपक वर्मा, कुलदीप सिंह राजपूत, गोविंद खंडेलवाल, निखिल साहू, पांडा शर्मा, सज्जन मंडवाल, राजेश टावरी सहित भाजपा कार्यकर्ता ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया नगर के माखन चौक, इंदौरी चौराहा, नगर परिषद अध्यक्ष के प्रतिष्ठान के सामने एवं अन्य जगह सामाजिक संगठन एवं धार्मिक संगठनों ने स्वागत किया ।

हॉकी कोच मुकेश राठौर ने बताएं

संभागीय हॉकी प्रतियोगिता में बड़वानी नें लहराया जीत का परचम

भोपाल ■ निसं

बड़वानी 12 अक्टूबर 2025/ जनजाति कार्य विभाग जिला बड़वानी द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय हॉकी अंडर 14 एवं अंडर 17 बालक, बालिका प्रतियोगिता का आयोजन 11 अक्टूबर को शहर के पीजी कॉलेज हॉकी ग्राउंड पर हुआ । जिसमें बड़वानी की चारों टीमों ने जीत का परचम लहराया 14वर्ष बालक वर्ग के फाइनल में बड़वानी नें धार की टीम को 5-0 से हराया वहीं बालिका 14 वर्ष वर्ग में बड़वानी नें खरगोन की टीम को को 3-0 से हराया वहीं जूनियर वर्ग में बालको की टीम नें धार की टीम को 7-0 से हराया एवं बालिकाओं की टीम नें खरगोन की टीम को 4-1 से हराया ।

प्रतियोगिताओं में बड़वानी दल अपने खेल कौशल के आधार पर पूरी प्रतियोगिता में छाए रहा आगामी विभागीय राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता क्रमशः बड़वानी एवं शिवनी में प्रस्तावित है। खिलाड़ियों के चयन पर जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त श्री जे ऐस डामोर खेल परिषद प्राचार्य करुणा बेस जिला क्रीडा प्रभारी मुकेश मालवीय,सरोज भदोरिया, एस्टर सेंगर राकेश पाटीदार भगवान चौहान,राजीव निगम, कृष्णकांत शर्मा राम जय चौहान मोनिका राठौड़ शुभम दुबे एवं समस्त खेल परिसर स्टाफ ने हर्ष व्यक्ति किया।

डॉ. नीलांजना के मार्गदर्शन में सूरी मंत्र साधना निमित्त सामूहिक सामायिक आराधना

उज्जैन, निप्र। परम पूज्य खरतर गच्छाधिपति युग दिवाकर, अवंती तीर्थों द्वारक, आचार्य जिनमणि प्रभसागर सुरीश्वर म सा के सूरी मंत्र साधना तृतीय महालक्ष्मी पीठिका निमितें परम पूजनीय साध्वी डॉ. विद्युत प्रभा जी म सा की शिष्या डॉ नीलांजना जी म सा, साध्वी दीप्ति प्रज्ञा जी, साध्वी निष्ठाजना जी म सा आदि थाना तीनों की निश्रा में सामूहिक सामायिक आराधना का भव्य आयोजन शांतिनाथ उपाश्रय में रविवार को संपन्न हुआ समाज अध्यक्ष अशोक कोठारी ने बताया कि साध्वी के मंगलाचरण के साथ ही सभी सामायिक का प्रत्यख्यान किया साध्वी नीलांजना जी ने सूरी मंत्र साधना तथा पांच पीठिका का विवेचन करते हुए विशद्ध प्रकाश डाला पीठिकाए क्या है? आचार्य भगवंत पीठिकाओं की साधना क्यों करते हैं महालक्ष्मी की साधना क्यों की जाती है और सुरी मंत्र साधना किस लक्ष्य से की जाती है इस समस्त विषयों पर साध्वी नीलांजना जी म सा ने विस्तृत विवेचना की सूरी मंत्र साधना आचार्य को बुद्धिमान, प्रज्ञावान, यशस्वी, तेजस्वी, वर्चस्वी,ओजस्वी, सामर्थ्यवान तथा आत्मबली बनती है ।

गुरुदेव गच्छाधिपति की पवन निश्रा एवं मार्गदर्शन में यह अवंतितीर्थ का जिनोद्वार हुआ यहां की प्रतिष्ठा अपने आप में इतिहास स्वर्णिम दस्तावेज है यह सब गुरुदेव जी की समाधान पार्क दीर्घ दृष्टि एवं सहजता के साथ प्रखरता के कारण संपन्न हुआ है हम गुरुदेव जी के चरणों में वंदना के पुष्प समर्पित करते हुए शासन देव से प्रार्थना करते हैं कि वह चिरंजीवी बने उनका अमृतमय आशीष हम सब पर सकल संघ पर बरसता रहे साध्वी जी ने प्रवचन पश्चात गुरुगुण गितीका भी प्रस्तुत की गई इस आयोजन में सभी श्रावकों श्राविकाओं ने सामयिक के वस्त्र धोती और खेस में सामयिक की सभी सामायिक आराधकों को संघ के द्वारा विशेष तैयार कराए गए सामूहिक बैग की प्रभावना वितरित की गई।

जन अभियान परिषद की बीकेएसएन कॉलेज में व्याख्यानमाला संपन्न

***शाजापुर।** मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड शाजापुर द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर रविवार को व्याख्यानमाला एवं स्वदेशी जागरण संगोष्ठी का आयोजन पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन बीकेएसएन कॉलेज परिसर में किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष शीतल भावसार, नगर मंडल महामंत्री गोविंद नायक, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शिवहरे, जन अभियान परिषद के बसंत, स्वदेशी जागरण से जुड़े राहुल विश्वकर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजय शिवहरे ने जीएसटी और स्वदेशी के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सामाजिक एवं राष्ट्रवादी संगठन है, जो देश की सेवा और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए कार्य कर रहा है। वहीं जिला उपाध्यक्ष शीतल भावसार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और विचारधारा पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।*

सरयू मेला में उमड़ा पूर्वांचल, मालवा की धरती पर लोक-संस्कृति की अनूठी छटा

लोकगीतों और पारंपरिक व्यंजनों ने बाँधा समाँ, इंदौर बना मिनी-पूर्वांचल

इंदौर, निप्र। मालवा की धरती पर शनिवार और रविवार का दिन पूर्वांचल की सांस्कृतिक विरासत और मधुर स्वाद से पूरी तरह सराबोर रहा। शहर के पूर्वांचल एवं सरयूपारिण ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित सरयू मेला में ऐसा भान हुआ मानो अयोध्या की पावन सरयू नदी स्वयं इंदौर में साकार हो गई हो।

मेले की संगीतमय संध्या में सुप्रसिद्ध लोकगायिकाएँ हेमा पांडे और करीना पांडे ने अपनी मधुर आवाज़ में हृदयस्पर्शी लोकगीत प्रस्तुत किए। बिहार और उत्तर प्रदेश की लोक परंपराओं से जुड़े सोहर, कजरी और छठ गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भावनाओं और भक्ति से परिपूर्ण कर दिया। 'रोई-रोई कहे बझिनिया हो' जैसे गीतों ने श्रोताओं के हृदय को स्पंदित कर दिया, जिससे ऐसा प्रतीत हुआ मानो सरयू और गंगा के तटों से उठती स्वर-लहरियाँ इंदौर के आकाश में गूँज रही हों।

संगीत के साथ ही, पूर्वांचल के स्वादिष्ट व्यंजनों का संगम मेले का प्रमुख आकर्षण रहा। लिट्टी-चोखा, खाजा, लोंगलता और बनारसी पान सहित विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों ने आगंतुकों के स्वाद को अविस्मरणीय बना दिया।

इस भव्य आयोजन का शुभारंभ जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक रमेश मेंदोला, एमआईसी मेंबर अश्विनी शुक्ला और पार्षद मनोज मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान के अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मेला के दूसरे दिन हमार दुल्हिन जैसी प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन हुआ, जिसके बाद शाम को सुप्रसिद्ध भजन गायक गन्नू महाराज की भजन संध्या ने देर रात तक भक्तिमय समां बाँध दिया।

विधायक तन्वे ने बच्चों को दवा पिलाकर पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

खंडवा, निप्र। खंडवा विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे ने रविवार को पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ मेडिकल कालेज सह जिला चिकित्सालयल के बी ब्लॉक में 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर किया। इस दौरान बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष हरीश कोटवाले, रोगी कल्याण समिति के सदस्य सतनाम सिंह होरा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ. पी. जुगतावत, सिविल सर्जन डॉ अनिरुद्ध कौशल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रश्मि कौशल, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी और बच्चों के परिजन भी उपस्थित थे। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में भी जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को दवा पिलाकर पोलियो बूथ पर अभियान का शुभारंभ किया।

अनमोल वचन

सफलता की ख़ुशी मानना अच्छा है पर उससे ज़रूरी है अपनी असफलता से सीख लेना।
बिल गेट्स

गलतियां हमेशा क्षमा की जा सकती हैं, यदि आपके पास उन्हें स्वीकारने का साहस हो।
ब्रूस ली

सम्पादकीय

क्या बांग्लादेश के रास्ते पर चल पड़ा भारत?

दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की जड़ें गहरी जरूर हैं, लेकिन समय-समय पर सत्ता के केंद्रीकरण और संस्थाओं पर राजनीतिक नियंत्रण ने इन जड़ों को कमजोर किया है। 2018 में बांग्लादेश में लागू साइबर सिक्योरिटी एक्ट ने लोकतंत्र की उस बुनियाद को हिला कर रख दिया था, जिस पर स्वतंत्र मीडिया और अभिव्यक्ति की आज़ादी टिकी होती है। पत्रकारों, ब्लॉगर्स और आलोचकों को चुप कराने, मीडिया संस्थानों पर सेंसर लगाने, और चुनाव आयोग तथा न्यायपालिका को सरकार के नियंत्रण में लाने की प्रक्रिया ने धीरे-धीरे एक तानाशाही शासन का रूप ले लिया। परिणामस्वरूप, 2024 के आम चुनावों में विपक्ष के बहिष्कार, हिंसा और धांधली ने बांग्लादेश की लोकतांत्रिक विश्वसनीयता को पूरी तरह खत्म कर दिया। आवामी लीग की शेख हसीना ने 300 में से 224 सीटें जीतकर सत्ता तो बचा ली, लेकिन जनता का भरोसा खो दिया। इसी के साथ कहा गया कि चुनाव आयोग, न्यायपालिका और पुलिस पर सरकार का सीधा नियंत्रण हो गया। तत्कालीन सरकार के इशारे पर पुलिस कार्यवाही करती देखी जाने लगी और न्यायालय फैसला देने लगे। सत्ता का दुरुपयोग शुरू हुआ तो हसीना सरकार के सारे फैसले राजनीतिक हित साधने वाले और हर शासकीय काम में धनसंग्रह वाले दृष्य दिखाई दिए। सरकार का एक तरफा निर्णय होना शुरू हुआ। वहीं दूसरी तरफ महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने लोगों में असंतोष फैला दिया, और जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन में 400 से अधिक छात्रों की मौत ने जनाक्रोश को विस्फोटक बना दिया। जब जनता और विपक्ष दोनों को लगा कि चुनाव आयोग सरकार का औजार बन चुका है, न्यायपालिका निष्क्रिय है और पुलिस सत्ता की कठपुतली बन चुकी है, तब शासन की वैधता खत्म हो गई। अंततः 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना को अकस्मात देश छोड़ना पड़ा, यह उस राष्ट्र का पतन था जिसने कभी स्वतंत्रता के लिए आंदोलन किया था, पर अब जहां लोकतंत्र खोता हुआ दिखाई दिया। दुर्भाग्य से, भारत में भी कुछ परिदृश्य अब उसी दिशा में जाते दिखाई दे रहे हैं। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर बार-बार उठते सवाल, विपक्ष की शिकायतों पर निष्क्रियता, और सरकार की मर्जी से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, ये सब संकेत हैं कि लोकतांत्रिक संस्थाएं अब स्वतंत्र नहीं रहीं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) जैसी संस्था जब चुनावों की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है और सुप्रीम कोर्ट से न्याय की जगह तारीखें मिलती हुई नजर आती हैं, तो यह चिंता का विषय हो जाता है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए, जबकि सत्तारूढ़ दल के नेताओं द्वारा बार-बार आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों पर भी चुनाव आयोग चुप रहा। अदालतों से भी तत्काल राहत नहीं मिली; 'तारीख पर तारीख' ने जनता का न्यायपालिका से भरोसा डगमगा दिया। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की घटना और उसके बाद देशभर में मिली मिश्रित प्रतिक्रियाएं इस विश्वास संकट को और गहरा कर रही हैं। भारत के लोकतंत्र में जनता का भरोसा सबसे बड़ा स्तंभ रहा है, लेकिन जब यह भरोसा डगमगाने लगे, तब यह चेतावनी होती है कि व्यवस्था खतरे में है। आज बेरोजगारी, महंगाई और युवाओं का असंतोष एक उभरता हुआ सामाजिक विस्फोट बनता जा रहा है। लेह में चार युवाओं की मौत और सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी ने इस बेचैनी को और बढ़ाया है। यह केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि उस पीढ़ी की आवाज है जो अपने भविष्य के लिए चिंतित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को 11 वर्ष हो चुके हैं। 2014 में जब वे सत्ता में आए थे, तो उन्होंने रोजगार, विकास और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के वादों के साथ नई उम्मीद जगाई थी। परंतु आज जब बेरोजगार युवा सड़कों पर हैं, और चुनावी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम भी बांग्लादेश जैसी दिशा में तो नहीं बढ़ रहे? वैसे भी अब पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा को लेकर लोगों में वह विश्वास नहीं दिख रहा जो 2013-14 में देखने को मिला था। हद यह है कि 2024 के बाद से सारे देश में यह धारणा बनने लगी कि भाजपा चुनाव प्रबंधन करके चुनाव जीत रही है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का आरोप है, चुनाव आयोग ने मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव में मतदाता सूची और मतगणना में गड़बड़ी कराकर यह चुनाव भाजपा के पक्ष में प्रभावित किया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार 45 दिन के अंदर जो चुनाव याचिकाएं हरियाणा और महाराष्ट्र में दायर की गईं उसके बाद सरकार ने जिस तरह से नियमों को बदला है और चुनाव आयोग मनमाने तरीके से अपने निर्णय को बार-बार बदल रहा। इन सब को देखते हुए युवाओं को अब लगने लगा है, चुनाव आयोग पर विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए बिहार में वोट चोरी के विरोध में रैली निकाली गई, वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगे। पिछले एक माह में जिस तरह से युवा विभिन्न मांगों को लेकर सड़कों पर आते दिख रहे हैं, जिस तरह के नारे लगाए रहे हैं यह कहीं ना कहीं यह दिखा रहे हैं कि बांग्लादेश और नेपाल में जो हुआ है लगभग उसी तरीके की स्थिति भारत में भी बनने लगी है। लेह में 4 युवाओं की मौत और फिर शांति पुरस्कार विजेता सोनम वांगचुक को जिस तरह से सरकार ने गिरफ्तार कर जेल भेजा, उसकी भी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देश भर में देखने को मिल रही है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि यदि चुनाव आयोग, न्यायपालिका और मीडिया जैसी संवैधानिक संस्थाएं सत्ता के दबाव में कार्य करेंगी, तो लोकतंत्र केवल नाम का रह जाएगा।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

अहोई माताः संतान के जीवन में मंगल भरने वाली शक्ति

योगेश कुमार गोयल

'अहोई अष्टमी' व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 13 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है।

करवा चौथ के चार दिन पश्चात् और दीवाली से ठीक एक सप्ताह पहले भारत में हिन्दू समुदाय में एक प्रमुख त्यौहार 'अहोई अष्टमी' मनाया जाता है, जो प्रायः वही स्त्रियां करती हैं, जिनके संतान होती है किन्तु अब यह व्रत निसंतान महिलाएं भी संतान की कामना के लिए करती हैं। 'अहोई अष्टमी' व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 13 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के लिए बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विध्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परम्परानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं।

अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में कुछ कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में किसी नगर में एक साहूकार रहता था। उसके सात लड़के थे। दीपावली से पहले साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में गई और कुदाल से मिट्टी खोदने लगी। दैव योग से उसी जगह एक सेह की मांद थी। सहसा उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग गई, जिससे सेह का बच्चा तत्काल मर गया। अपने हाथ से हुई हत्या को लेकर साहूकार की पत्नी को बहुत दुख हुआ परन्तु अब क्या हो सकता था? वह पश्चाताप करती हुई शोकाकुल अपने घर लौट आई। कुछ दिनों बाद उसके बेटे का निधन हो गया। फिर अकस्मात दूसरा, तीसरा और इस प्रकार वर्ष भर में उसके सभी बेटे मर गए। महिला अत्यंत व्यथित रहने लगी। एक दिन उसने अपने आस-पड़ोस की महिलाओं को विलाप करते हुए बताया कि उसने जानबूझकर कभी कोई पाप नहीं किया। हां, एक बार खदान में मिट्टी खोदते हुए अनजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या अवश्य हुई है और तत्पश्चात मेरे सातों बेटों की मृत्यु हो गई। यह सुनकर पास-पड़ोस की वृद्ध औरतों ने साहूकार की पत्नी को दिलासा देते हुए कहा कि यह बात बताकर तुमने जो पश्चाताप किया है, उससे तुम्हारा आधा पाप नष्ट हो गया है। तुम उसी अष्टमी को भगवती माता की शरण लेकर सेह और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर उनकी

आराधना करो और क्षमा-याचना करो। ईश्वर की कृपा से तुम्हारा पाप धुल जाएगा। साहूकार की पत्नी ने वृद्ध महिलाओं की बात मानकर कार्तिक मास की कृष्णपक्ष की अष्टमी को उपवास व पूजा-याचना की। वह हर वर्ष नियमित रूप से ऐसा करने लगी। बाद में उसे सात पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई। अहोई व्रत के संबंध में एक और कथा प्रचलित है। बहुत समय पहले झांसी के निकट एक नगर में चन्द्रभान नामक साहूकार रहता था। उसकी पत्नी चन्द्रिका बहुत सुंदर, सर्वगुण सम्पन्न, सती साध्वी, शीलवन्त, चरित्रवान तथा बुद्धिमान थी। उसके कई पुत्र-पुत्रियां थे परन्तु वे सभी बाल अवस्था में ही परलोक सिधार चुके थे। दोनो पति-पत्नी संतान न रह जाने से बहुत व्यथित रहते थे। वे दोनों प्रतिदिन मन ही मन सोचते कि हमारे मर जाने के बाद इस अपार धन-सम्पदा को कौन संभालेगा? एक बार उन दोनों ने निश्चय किया कि वनवास लेकर शेष जीवन प्रभु-भक्ति में व्यतीत करें।

यही विचार कर दोनों अपना घर-बार त्यागकर वनों की ओर चल दिए। रास्ते में जब थक जाते तो रूककर थोड़ा विश्राम कर लेते और फिर चल पड़ते। इस प्रकार धीरे-धीरे वे बद्रिका आश्रम के निकट शीतल कुण्ड जा पहुंचे। वहां पहुंचकर दोनों ने निराहार रहकर प्राण त्यागने का निश्चय कर लिया। निराहार व निर्जल रहते हुए जब उन्हें सात दिन हो गए तो आकाशवाणी हुई कि तुम दोनों प्राणी अपने प्राण मत त्यागो। यह सब दुख तुम्हें तुम्हारे पूर्व पापों से भोगना पड़ा है। यदि तुम्हारी पत्नी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजन करे तो अहोई देवी प्रसन्न होकर साक्षात दर्शन देंगी। तुम उनसे दीर्घायु पुत्रों का वरदान मांग लेना। व्रत के दिन तुम राधाकुण्ड में स्नान करना। चन्द्रिका ने आकाशवाणी के बताए अनुसार विधि-विधान से अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजा-अर्चना की और तत्पश्चात राधाकुण्ड में स्नान किया। जब वे स्नान इत्यादि के बाद घर पहुंचे तो उस दम्पत्ति को अहोई माता ने साक्षात दर्शन देकर वर मांगने को कहा।

साहूकार दम्पत्ति ने हाथ जोड़कर कहा, "हमारे बच्चे कम आयु में ही परलोक सिधार जाते हैं। आप हमें बच्चों की दीर्घायु का वरदान दें।" "तथास्तु!" कहकर अहोई माता अंतर्ध्यान हो गई। कुछ समय के बाद साहूकार दम्पत्ति को दीर्घायु पुत्रों की प्राप्ति हुई और वे सुखपूर्वक अपना गृहस्थ जीवन व्यतीत करने लगे।

देवी पार्वती को अनहोनी को होनी बनाने वाली देवी माना गया हैं, इसलिए अहोई अष्टमी पर माता पर्वती की पूजा की जाती है और संतान की दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की जाती है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

खिसियाए ट्रम्प शांति दूत बनेंगे या शांति हरेंगे?

ऋतुपर्णा दवे

अब ट्रंप भले ही लगातार अपना दावा जता रहे हों और कहते फिर रहे हों कि कि अमेरिका में जिन भी लोगों को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, वो ज्यादातर विवादित ही रहे। ट्रम्प भला क्या कम विवादित हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति बनाम वहां के बड़े बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप इस बार सत्ता में आने के साथ ही खुद को शांति का स्वयंभू मसीहा बताते नहीं अघाते हैं। वो भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास जंग समेत आठ युद्धविराम या समझौते कराने का दावा करते हैं। जबकि दुनिया हकीकत जानती है कि इन सभी जगहों पर अभी कितनी शांति है?

बड़बोले डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। अपने मुंह मिया मिट्ठू बनने वाले ट्रम्प को भी नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। अपने लिए नोबेल पुरुस्कार मांगने वाले और इसके लिए दावे दावे करने वाले वाले ट्रम्प को भी नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। शांति के नोबेल पुरुस्कार के लिए चंद देशों से खुद को नामित कराने वाले अड़ीबाज ट्रम्प के मुकाबले बेहद कम चर्चित और दुनिया में अलग पहचान रखने वाली एक महिला को मिलना शायद ट्रम्प को उनकी असलियत या औकात बताने को काफी है।

दरअसल ट्रम्प की दावेदारी और पुरुस्कार न मिलने पर बजाए खुलकर बोलने के लोग, उनके घमण्ड, धौंस, धमक और दादागीरी को वजह बताते हैं जो नोबेल शांति के रूप में नहीं मिला। वैसे भी हर पुरुस्कार के लिए नियम होते हैं, लंबी फेहरिस्त होती है और कारण होते हैं। ट्रम्प कहीं से भी इसमें फिट नहीं बैठते थे। लेकिन उन्हें अमरीका का राष्ट्रपति होने का गुमान था इसीलिए वो यह जानते हुए भी कि पुरुस्कार के लिए नामित होने और औपचारिकताओं के पूरा करने की प्रक्रिया को भी शायद अपनी धौंस से धता बताने की जुगाड़ में थे, जो हो न सका। यह भी सच है कि शायद यह पहला मौका होगा जब पुरुस्कार मिलने वाले के नाम की चर्चा के बजाए न मिलने वाले का नाम और उसका रंज सुर्खियों में है। अब ट्रंप भले ही लगातार अपना दावा जता रहे हों और कहते फिर रहे हों कि कि अमेरिका में जिन भी लोगों को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, वो ज्यादातर विवादित ही रहे। ट्रम्प भला क्या कम विवादित हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति बनाम वहां के बड़े बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप इस बार सत्ता में आने के साथ ही खुद को शांति का स्वयंभू मसीहा बताते नहीं अघाते हैं। वो भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास जंग समेत आठ युद्धविराम या समझौते कराने का दावा करते हैं। जबकि दुनिया हकीकत जानती है कि इन सभी जगहों पर अभी कितनी शांति है? इस बार का नोबेल शांति पुरुस्कार नॉर्वेनियन नोबेल कमेटी ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को देना तय किया। यह वेनेजुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही को लोकतंत्र की ओर शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण बदलाव के लिए किए गए अथक संघर्ष का सम्मान है। नोबेल समिति के अध्यक्ष यॉर्गन वाटने फ्रिडनेस ने मारिया कोरिना मचाडो को एक ऐसी प्रमुख और एकजुट करने वाली शख्सियत बताया जिन्होंने पहले गहरे विभाजित विपक्ष को एकजुट किया फिर स्वतंत्र चुनावों और प्रतिनिधि सरकार की मांग में समान आधार स्थापित करने का कठिन काम किया। अपने प्रयासों की कामियाबी के लिए मारिया कोरिना मचाडो को छिपकर रहने पर भी मजबूर होना पड़ा। लेकिन जान को गंभीर खतरों के बावजूद उन्होंने अपना देश नहीं छोड़ा और दुनिया भर में शांति के पक्षधर लाखों लोगों का प्रेरित किया। मारिया का मानना है कि जब सत्तावादी लोग सत्ता हथिया लेते हैं, तो स्वतंत्रता के ऐसे साहसी रक्षकों को पहचानना जरूरी है जो उठ खड़े हों और विरोध करें। लोकतंत्र उन्हीं लोगों पर निर्भर करता है जो चुप रहने के बजाए गंभीर जोखिमों के बावजूद आगे बढ़ते रहने का दुस्साहस करते हैं। यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, बल्कि हमेशा उसकी रक्षा करनी चाहिए। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और शब्दों के सामर्थ्य का इस्तेमाल जरूरी है। ट्रम्प भले ही दुनिया का दारोगा कहलाएं लेकिन उन्हें मारिया के सिध्दांतों और धारणाओं से काफी कुछ सीखने की जरूरत है।

यह सही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में तो शुरुआत से ही शांति के नोबेल पुरुस्कार का सपना संजोए बैठे थे। उनका हर मंच पर दावा कि उन्होंने ही आठ युद्ध रुकवाए हैं यही बताता है। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की आलोचना करना और कहना कि बिना किसी कारण के उन्हें नोबेल मिला मैने तो 8-8 युद्ध रुकवाए अहंकार नहीं तो क्या है? लेकिन वो भूल गए कि उनके दावे नोबेल शांति पुरस्कार के नामांकन की समय-सीमा के बाद के हैं। ऐसे में संभव है कि यह उनकी चालाकी हो और अगले साल के अपने दावे को पुख्ता करने की रणनीति हो! दुनिया जानती है कि ट्रम्प कहते कुछ हैं, करते कुछ हैं। कहा तो यह तक जाने लगा है कि ट्रम्प को यह भी नहीं पता अगले पल वो क्या कर बैठें, बहरहाल यह उनका अपना मामला है वो जाने। हां, नोबेल कमेटी की निना ग्रेगर ने यह जरूर कहा कि नोबेल के फैसले पर गाजा सीजफायर का असर नहीं होगा, लेकिन अगर यह शांति स्थायी रही, तो अगले साल ट्रंप की दावेदारी मजबूत हो सकती है। वहीं, नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोएर्गन वाटने फ्राइडनेस ने कहा कि पुरस्कार पर फैसला काम के आधार पर किया जाता है। अब ऐसा भी नहीं है कि अमरीका जैसे देश सशक्त देश के राष्ट्रपति को इतना भी भान न हो? अब एक पुराना और चौंकाने वाला वाकया सुर्खियों में है। जब एडॉल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने की कोशिश हुई। इससे हर कोई असहज हुआ होगा। उनके क्रूर होने के किस्से-कहानियां इतिहास की किताबों में दर्ज है।

उपनिवेशवाद की सोच भारतीयों को कुछ नया करने में बाधक

कांतिलाल मांडोत

आरएसएस भारतीय रास्ट्रवाद का स्वयंसेवक संगठन के विजयादशमी के दिन सौ वर्ष पूर्ण होने पर देश-विदेश में राष्ट्र को समर्पित अनेक कार्यक्रम हुए और अभी भी जारी है। कई उतार चढ़ाव से गुजरने के बाद अब आरएसएस वटवृक्ष बन गया है।भारत की ज्ञान परम्परा और शिक्षा पद्धति पर चिंतन होता रहा है।दुनिया मे शायद ही किसी संगठन की इतनी आलोचना की होगी,जितनी आरएसएस की हुई है।बिना आधार के आरएसएस पर लगाए सभी आरोप कपोल कल्पित और जूठे साबित हुए।दरअसल,अपने मन मे देश के प्रति जज्बा लिए ये युवा अपना सर्वस्व अर्पण कर देशसेवा के लिए हर जंग लड़ने के लिए हर समय तैयार रहते है।नीतिमत्ता और ईमानदारी का गुण जीवन की आधारशिला है।समाज को आगे लाने के लिए हर कदम पर सहयोग मिलने से भारत एक मजबूत राष्ट्र बनता जा रहा है।रास्ट्रीय स्वयंसेवक से सरसंघचालक मोहन भागवत की सक्रियता और समर्पण भाव को देखकर हर व्यक्ति दंग रह जाता है। भाजपा के राजनैतिक वर्चस्व के इस दौर में राष्ट्रवाद की भगवा सोच भी उसी तीव्र गति से बढ़ाया गया।आज भाजपा की मजबूत नींव पर आरएसएस के शुद्ध संकल्प और अच्छी सोच का ही कारण रहा है।संघ ने शिक्षा पद्धति में आमूल-चूल परिवर्तन करने और भगवा विचारों में रंगने की चाह के लिए रणनीति के साथ पहल हुई थी।संघ का योगदान देश की आजादी के समय 1947 में भी भरपूर रहा है।कश्मीर पर पाकिस्तान सेना की गतिविधियों पर संघ बराबर नजर रखे हुए था। 1962 में संघ के स्वयंसेवक जिस तरह सीमा पर पहुँचे, उसे पूरे देश ने देखा।1963 में 26 जनवरी पर प्रधानमंत्री नेहरू ने स्वयंसेवक के कार्यकर्ताओं को परेड में शामिल होने का निमंत्रण दिया।ये देश के प्रति समर्पित है।1965 के भारत पाकिस्तान के युद्ध के समय लालबहादुर शास्त्री ने संघ को याद किया।स्वयंसेवको ने कानून व्यवस्था संभाली थीं।आरएसएस ने देशहित में अनेक ऐसे कार्य किये है।जिसका इतिहास बन चुका है।उपनिवेशवादी मानसिकता से मुक्त कराने के लिए शिक्षा से ही संभव है।और इस पर सरसंघचालक कही बार अपने मंच से बोलकर देश को अवगत कराते आ रहे है।शिक्षा के उद्देश्य, विषय वस्तु और व्यवस्था में भारतीयता होनी चाहिए।मोहन भागवत का सारा समय देश के लिए समर्पित है।देश मे आए दिन अनेक सभा और पथ संचलन के कार्यक्रम आयोजित कर युवाओ को प्रशिक्षित कर देशसेवा के प्रति समर्पण भाव के गुर सिखाए जा रहे है।संघ यह भी मानता है कि सत्ता से नही,बल्कि समाज के द्वारा ज्यादा प्रभावी होता है।वर्तमान में जो नवीन ज्ञान हमे मिल रहा है,उसे सीखे।जो सीखने योग्य है ,उसे अवश्य सीखे, किन्तु सीखने का उद्देश्य यही है कि हम अपने धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन मूल्यो को नष्ट करके की जरा भी भूल नहीं करे। यही शिक्षा उपादेय,सार्थक एवं गाह्य है, जिसके द्वारा सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, इंद्रिय,निग्रह, त्याग, परोपकार, दया, करुणा आदि गुणों का विकास हमारे भीतर हो।यही धारणा और समर्पित जीवन का लक्ष्य लिए देश सेवा करते हुये आरएसएस के सौ वर्ष पूर्ण हो चुके है।स्वयंसेवक संघ में संवेदनशीलता, दया, करुणा, परदु:खकातरता सुषुप्त नही हुई है इनका मुख्य लक्ष्य व्यक्तिवाद और स्वार्थ साधना नही होकर केवल देश सेवा की रही है। रास्ट्रीय, सामाजिक, नैतिक अस्मिता की रक्षा के लिए शाश्वत जीवन मूल्यों के अभिरक्षक के प्रयास सतत कर रहे है।क्योंकि ये जानते है कि अनुसाशनहीनता और सद्गुणों की उपेक्षा से जीवन अपवित्र होता है।स्वयंसेवक सेदेश ,परिवार,समाज को कई अपेक्षाएं है। मोहन भागवत मनोयोग से अध्ययन करने की सिख देते है।विद्यार्थियों में शिक्षा का स्तर बढ़ना चाहिए।संघ का दर्द उस समय झलका था।जब रोहित वेमुला प्रकरण,जेएनयू में कन्हैया प्रकरण,पश्चिमी बंगाल में जाधवपुर विवि की घटना और बिहार चुनाव से ठीक पहले असहिष्णुता के खिलाफ बुद्धिजीवियों की अवार्ड वापसी के झटकों ने भगवा ब्रिगेड को हिला दिया था। इनका यह भी मानना है कि मोदी के आने के बाद वामपंथियों को कमजोर कड़ी के तौर पर चुना,जहा उनका वर्चस्व है और एनजीओ वाले इनके साथ खड़े दिखते है।उसके बाद ही चुनिंदा रणनीतिकारों ने बौद्धिक आंदोलन का खाका तैयार किया।

खास बात

कानून और नियम सरकार पर लागू नहीं

मध्य प्रदेश में दो दर्जन से ज्यादा बच्चों की जहरीले कफ सिरप पीने से मौत हो गई। इस सिरप को नशा करने वाले भी खरीद कर पीते हैं। सरकार को सब कुछ पता होता है। उसके बाद सरकार नियम कानून बनाती है।जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है। कानून और नियम से जो शुक्राना जबराना मिलना होता है। वह सरकार के अधिकारियों और नेताओं को मिल जाता है। जिस कफ सिरप पर 90 साल पहले अमेरिका में रोक लगा दी गई थी। 2006 में सरकार ने जाँच का कानून बनाया था। सरकार ने मानक तय कर दिए थे। जगह-जगह मानक के अनुसार दवाई बनाई जा रही है,या नहीं, इसके लिए लैब तैयार की गई थी। लैब के पद खाली पड़े हुए हैं। जो मोबाइल बैन खरीदी गई थी।वह सड़ रही हैं।जब बच्चों की मृत्यु हुई, उसके बाद डॉक्टर ओर दवा निर्माता को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनको जांच का जिम्मा दिया गया था। उनको बचा लिया गया। सरकार ऐसे ही चलती है। जिनको मरना होता है,वह मर जाते हैं। मरना उनके भाग्य में लिखा होता है। सरकार इसमें कर भी क्या सकती है।

नहीं मिला ट्रंप को नोबेल पुरस्कार

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी पूरी ताकत नोबेल पुरस्कार पाने के लिए लगा दी।भाग्य ने साथ नहीं दिया। नोबेल पुरस्कार किसी अन्य को मिल गया। इस पर ट्रम्प भड़के हुए हैं। उन्होंने अपनी पूरी ताकत रूस-यूक्रेन इजराइल और गाजा के युद्ध को रोकने में लगा दी। इसके बाद भी उनकी इच्छा पूरी नहीं हुई। इसके लिए उन्होंने दुनिया के कई देशों से बुराई ले ली थी।ऐसे में वह कैसे शांत रह सकते हैं,इसकी चर्चा होने लगी है।

मायावती ने की योगी और भाजपा की तारीफ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने जिस तरह से लखनऊ में बसपा समर्थकों की रैली बुलाई। बड़ी संख्या में भीड़ जुटी। बहन जी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा की जमकर तारीफ की।सपा और कांग्रेस के ऊपर वह जमकर भड़की। इसके बाद कहा जा रहा है, अगला विधानसभा चुनाव बहन जी भाजपा के साथ मिलकर लड़ेंगी। दलितों की लड़ाई उन्हें बहुत लड ली। अब अपने आपको बचाने की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। उनके पास कोई दूसरा विकल्प बचा भी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के दलित मुख्य न्यायाधीश पर जूता चल गया। एक दलित आईपीएस ने आत्म हत्या कर ली। एक दलित की रायबरेली में पीट पीटकर हत्या हो गई। मायावती इसके बारे में कुछ नहीं बोली।

हर किसी को कांग्रेस की चिंता?

भारतीय जनता पार्टी की पूरी राजनीति कांग्रेस और राहुल गांधी पर टिकी हुई है। ममता बेनर्जी भी सबसे ज्यादा कांग्रेस को कोसती हैं। अब मायावती को भी कांग्रेस की चिंता सबसे ज्यादा है। उन्होंने रैली में सबसे ज्यादा कांग्रेस और सपा को कोसा है। देश के हर राजनीतिक दल को लगता है। उसकी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धा कांग्रेस के साथ है। जिसके कारण कांग्रेस की चिंता सभी गैर कांग्रेसी राजनीतिक दल करते हैं। सभी के निशाने पर राहुल गांधी और कांग्रेस है। एक अकेला राहुल गांधी सब पर भारी पड़ रहा है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, कार्तिक कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, सप्तमी, सोमवार, आद्रा नक्षत्रे, वल योगे, विव करणे, मिथुन की चंद्रमा, भद्रा 0/56 अहोई 8 उच्च व्यापार रवियोग 30/03 धान्य छेदन मुर्हूत तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फलः आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल तथा स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, वक्ता-अधिवक्ता होगा।

मेष राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, प्रयास जारी रखें, प्रयत्नशीलता तथा सफलता से लाभ अवश्य होगा।

वृष राशि- सोचे कार्य समय पर पूर्ण कर लें, कार्य तत्परता से लाभांवित होंगे, सफलता से हर्ष होगा।

मिथुन राशि- मनोबल उत्सावर्धक होगा, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, कार्य संतोष रहेगा, मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि- परिश्रम से सफलता मिलेगी, सामर्थ्य के अनुसार प्रयास अवश्य करें, अवसरों का लाभ अवश्य लें।

सिंह राशि- कार्यवृत्ति में सुधार होगा, चिन्तायें कम होंगी, सफलता के साधन जुटायेंगे, कार्य समय पर पूर्ण करें।

कन्या राशि- परिश्रम करने पर भी सफलता दिखाई न दे, स्त्री वर्ग से तनाव व कष्ट होगा, मन में धैर्य रखकर कार्य करें।

तुला राशि- कुछ लोगों से मेल-मिलाप फलप्रद रहेगा, क्षमता के अनुकूल फल मिलेगा, कार्य बनेंगे ध्यान दें।

वृश्चिक राशि- स्वास्थ्य नरम रहेगा, चोटादि का भय, मनोबल उत्साहवर्धक रहेगा, कार्यों को समय पर पूरा करने का प्रयास करें।

धनु राशि- कार्यकुशलता से संतोष होगा, दैनिक कार्यगति में सुधार होगा, परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर राशि- मनोबल उत्साहवर्धक रहेगा, मित्र-इष्ट मित्र सहयोगी होंगे, कार्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

कुंभ राशि- कार्य व्यवसाय गति मंद रहेगी, साधन सम्पन्नता अवश्य बनेगी, विशेष अवसरों को हाथ से न जाने दें।

मीन राशि- विघटनकारी तत्व परेशान करेंगे, मनसिक कष्ट का अनुभव होगा, कार्य बाधा बनेगी, कार्यगति पर ध्यान दें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

13 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.19 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृश्चिक	08.33 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.49 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.54 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.41 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.14 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.44 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.24 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.22 बजे से
		कर्क	23.36 बजे से
		सिंह	01.52 बजे से
		कन्या	04.04 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2025 वर्ष का 286 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि सप्तमी 12.25 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 12.27 बजे को समाप्त।
योग परिघ 08.10 बजे तदनन्तर शिव 05.55 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 12.25 बजे तदनन्तर बालव 23.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 07° 47'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872496
जूलियन दिन 2460961.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447 **महीना** रबी उस्सानी
तारीख 20 **विशेष** अहोई अष्टमी, राधा कुंड स्नान, कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मां-बेटी का रिश्ता अनमोल फिर क्यों आ जाती हैं दूरियां?

मां बेटी का रिश्ता दुनिया में सबसे अनमोल होता है। बेटी को मां की ही छवि माना जाता है क्योंकि वो उन्हीं से सारे गुण व आदतें सीखती हैं। साथ ही एक मां में बेटी अपना दोस्त, हमदर्द भी ढूंढ लेती हैं। वहीं, बेटी के रूप में एक मां अपना बचपन दोबारा जी लेती हैं। मगर, कई बार मां-बेटी के रिश्ते में जरा-सी नौंक-झौंक भी हो जाती है जो धीरे-धीरे उनके बीच दूरियां बढ़ा देती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

उम्र के पहले जिम्मेदारियों का अहसास

अक्सर मांएं अपनी बेटियों को बचपन से ही जिम्मेदारियों का अहसास करवाने लगती हैं। उन्हें बचपन से ही जताया जाता है कि उन्हें दूसरे घर जाना है इसलिए काम करो। इसके कारण बच्चियां अपना बचपन खो देती हैं और मां से दूरी भी बना लेती हैं।

बेटी पर विश्वास न करना

अगर बेटी मां-पिता की इज्जत का ख्याल रख रही हैं तो जाहिर है वो आपसे भरोसे की उम्मीद भी रखेगी। बेटियाँ भी चाहती हैं कि घर के लोग उन पर भरोसा करें मगर, जब आप, खासकर मां और एक औरत होकर जब आप अपनी बेटी पर विश्वास नहीं करती तो उनका मनोबल टूट जाता है। इसके कारण वो आपसे कटी-कटी रहने लगती हैं। और ये एक बहुत अहम् वजह है कि बेटियाँ अपनी माँ से दूर हो जाती हैं।

रोक-टोक करना

बेशक बेटी को सही गलत का एहसास करवाना पेरेंट्स की जिम्मेदारी है लेकिन कई आपकी चिंता इतना ओवरप्रोजेसिव हो जाती है कि लड़कियां इन्हें बाउंडेशन समझ लेती हैं। अब अगर कोई बेटियों के मन की बात ना समझ पाए तो दूरियां जायज है।

बात-बात पर कमियां निकलना

हर छोटे-मोटे काम पर बेटियों की कमियां ना गिनवाए और ना ही दूसरों से तुलना करें। आपका यह व्यवहार उनका मन खराब कर देता है और प्यार की जगह नफरत उनके मन में घर कर लेती है। इससे मां-बेटी की बीच दूरियां भी आ जाती हैं।

बेटी और बेटे में फर्क करना

समय भले ही बदल चुका हो लेकिन बेटी और बेटे के बीच आज भी दीवार खड़ी कर दी जाती है। इसके कारण बेटी के मन में हीनभावना जन्म ले लेती है और वो मानसिक तौर पर अलग हो जाती है।

मन की बात ना समझना

बेटियों को रोकना टोकना हर घर की बात है। और इसी रोक टोक की वजह से कई बार बेटियाँ अपनी माँ से दूर होती जाती हैं। बेटियों की मन की बात अगर मां ही न समझ पाए तो ये दूरियां जायज है। इसलिए अत्यधिक रोक टोक पर बेटियां अपनी मां से थोड़ी दूरी बना लेती हैं। अगर आप अपनी बेटी के साथ रिश्ता मजबूत बनाना चाहते हैं तो ये गलतियां ना दोहराएं। हर बेटी को घर में वो प्यार मिलना चाहिए जिसकी वो हकदार है।

अगर आप भी अपने बच्चे की कम हाइट से हैं परेशान तो उन्हें

रोजाना कराएं ये आसन

बच्चे खाने के मामले में बहुत आनाकानी करते हैं। मगर इससे उनके शारीरिक व मानसिक विकास में रूकावटें आने लगती है। इसके अलावा कई बच्चों की हाइट भी कम रह जाती है। मगर असल में, हाइट यह एक उम्र के बाद बढ़ने बंद हो जाती है। ऐसे में कई पेरेंट्स इसके डर के कारण बच्चों को हाइट बढ़ाने की दवाइयां खिलाने लगते हैं। मगर इससे सेहत के खराब होने की परेशानी हो सकती है। ऐसे में आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में योगासन को जोड़ सकते हैं। इसे करने में बॉडी की अच्छे से स्ट्रेचिंग होती है। ऐसे में बच्चे की नेचुरल तरीके से हाइट बढ़ने के साथ सेहत दुरुस्त रहने में भी मदद मिलेगा।

ताड़ासन

1. सबसे पहले खुली जगह पर एकदम सीधे खड़े हो जाएं।
2. दोनों हाथों की उंगलियों को बीच में फंसाकर या हाथों को नमस्कार की मुद्रा में रख कर ऊपर की तरह करें।
3. धीरे-धीरे एड़ियों को उठाकर शरीर का सारा भार पंजों पर डालें।
4. इसी मुद्रा में खड़े रहकर पूरे शरीर को स्ट्रेच करें।
5. फिर गहरी सांस लें।
6. थोड़ी देर बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
7. इस आसान को 4-5 बार करें।

इससे हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी। पूरे शरीर में मजबूती आएगी।

वृक्षासन

1. इस आसन को करने के लिए खुली जगह पर सीधे खड़े हो जाएं।
2. दाहिने पैर को अपने बाएं पैर पर रखें।
3. दोनों हाथों को नमस्ते की मुद्रा में रखकर ऊपर ले जाएं।
4. एक पैर से बैलेंस बनाएं।
5. थोड़ी देर इसी मुद्रा में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
6. इसके बाद दूसरे पैर से इस योगासन को करें।

इससे रीढ़ की हड्डी एकदम सीधी होगी। पैरों व हाथों की मांपेशियों में खिंचाव होने से हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी।

योगासन करने के अन्य लाभ

- पूरे शरीर में खिंचाव होने से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी।
- पाचन तंत्र दुरुस्त होकर पेट संबंधी समस्याएं दूर होगी।
- दिमाग शांत होने से स्मरण शक्ति बढ़ेगी।
- कमजोरी, थकान व आलस दूर होकर दिनभर तरोताजा महसूस होगा।
- शरीर में खून का संचार बेहतर होने में मदद मिलेगी।
- इम्यूनिटी बूस्ट होने से मौसमी व अन्य बीमारियों से बचाव रहेगा।

कहीं बिगड़ तो नहीं रहा आपका बच्चा, कुछ इस तरह से पहचाने

बच्चे का मन कोरे कागज की तरह होता है। ऐसे में वे अपने आसपास के लोगों व चीजों जल्दी समझकर उन्हें सीख लेते हैं। कई बार वे ऐसी बातें व काम भी सीख लेते हैं जो उनके बेहतर मानसिक व व्यावहारिक विकास में बांधा डालते हैं। असल में, पेरेंट्स के बिजी होने या बच्चों को अधिक छूट देने से वे बिगड़ सकते हैं। ऐसे में कई बच्चे तो लड़ाई, मारपीट, गलत भाषा इस्तेमाल करना आदि शुरू कर देते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे शुरूआती दौर पर ही बच्चों पर ध्यान दें। तो चलिए आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ बातें बताते हैं, जो बच्चे के बिगड़ने की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आप समय रहते ही उनपर काबू पा सकते हैं।

दूसरों को तंग करना

छोटे बच्चे दूसरों को चिढ़ाकर खुश होते हैं। मगर बार-बार ऐसा बर्ताव करना सही नहीं होता है। ऐसे में उसकी संगत को पहचान कर उसे ऐसा करने से रोकें। उसे सही व गलत की पहचान करवाते हुए एक बेहतर इंसान बनाए।

लड़ाई करना

बच्चे का घर पर या पड़ोस में लड़ना भी उसके बिगड़ने की और इशारा करता है। असल में, ऐसी चीजें बच्चा घर के बड़े, दोस्तों व टीवी देखकर सीखता है। ऐसे में अपने घर का माहौल शांत व खुशनुमा रखें। साथ ही उसके द्वारा मारपीट या झगड़ा करने पर उसे प्यार से गलती का अहसास करवाएं। कई बच्चे अटेंशन डेफिसिट हाइपर डिस्ऑर्डर के शिकार होने के कारण ऐसा करते हैं। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें।

गलत शब्दों व भाषा का इस्तेमाल करना

अगर कहीं आपका बच्चा गलत शब्द या भाषा का इस्तेमाल करें तो अलर्ट हो जाएं। इसका मतलब है कि वह बुरी संगत में पड़ रहा है। इसके लिए उसके कुछ गलत कहने पर तुरंत उसे रोके। मगर उसे डांटने की जगह प्यार से समझाएं। नहीं तो बच्चा नाराज हो सकता है। साथ ही घर का माहौल सही रखें। इसके अलावा इस बात ध्यान रखें कि आपका बच्चे किस से मिलता है। उसकी संगत चैक करके उसके बिगड़ने का कारण पता करें।

बात-बात पर जिद्द करना

अक्सर बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर भी जिद्द करने की आदत होती है। मगर अगर कई बच्चा किसी बात पर अड़ जाएं, घंटों रोता रहे या खाना-पीना छोड़ दें तो यह उसके बिगड़ने की ओर इशारा करता है। ऐसे में मां-बाप का फर्ज है कि वे बच्चे को सही-गलत की पहचान करवाते हैं उसे सही राह पर लाएं। अगर बच्चा प्यार से ना माने तो इसके लिए सख्ती भी कर सकते हैं।

झूठ बोलना व चोरी करना

बच्चे का झूठ बोलना व चोरी करना भी उसके बिगड़ने की ओर संकेत करता है। ऐसे में उसका झूठ पकड़ कर प्यार से उसे समझाएं। बच्चे का मन बड़ा ही चंचल होता है। ऐसे में उसे डांटने की जगह प्यार से सही व गलत बताएं। साथ ही उससे ऐसा करने का कारण पूछे। इसके अलावा बच्चे की जरूरत का अच्छे से ध्यान रखें।

बच्चों के बेहतर शारीरिक विकास के लिए उनकी डाइट खास होनी चाहिए। खासतौर पर उनकी मांसपेशियों व हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी की जरूरत होती है। इसकी कमी से उनकी हड्डियां कमजोर होने के साथ शारीरिक विकास धीमा पड़ जाता है। वैसे तो इसकी कमी को पूरा करने के लिए सूरज की रोशनी बेहद फायदेमंद होती है। यह शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने व हड्डियों में मजबूती दिलाने में मदद करता है। मगर आप डाइट में कुछ चीजों को शामिल करके भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं। तो चलिए आज हम विटामिन-डी से भरपूर चीजों के बारे में बताते हैं। मगर उससे पहले जानते हैं इसकी कमी के लक्षण....

बच्चे में पहचाने विटामिन डी की कमी, जरूर खिलाएं यह आहार

बच्चे में विटामिन डी की कमी के लक्षण

- मांसपेशियों व हड्डियों का कमजोर होकर दर्द होना
- शारीरिक विकास धीमी गति से चलना
- स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ना
- इसकी कमी के कारण बच्चे को रिकरंट इन्फेक्शन यानी बार-बार सर्दी-खांसी व मौसमी बीमारियां होना
- दिनभर थकान व कमजोरी रहना

विटामिन डी से भरपूर सुपर फूड्स

सोया से भरपूर चीजें

विटामिन डी से भरपूर चीजों की लिस्ट में सोया भी शामिल होता है। ऐसे में बच्चे की डाइट में सोया से भरपूर टोफू, दूध और सोयाबीन शामिल करें। इससे बच्चे को सही मात्रा में विटामिन डी मिलने के साथ शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलेगी।

दूध : इसकी कमी पूरा करने के लिए दूध पीना भी बेस्ट ऑप्शन है। असल में दूध में कैल्शियम के साथ उचित मात्रा में विटामिन डी में पाया जाता है। इसलिए रोजाना 1 गिलास दूध का सेवन करने से बच्चे में इसकी कमी पूरी की जा सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, 1 गिलास दूध का सेवन करने से दिनभर की जरूरत के अनुसार 1/4 विटामिन डी की मिल सकता है।

संतरा : वैसे तो विटामिन-सी के लिए संतरा खाने की सलाह दी जाती है। मगर असल में, इसमें विटामिन-सी और डी सही मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में रोजाना इसका सेवन करने से विटामिन डी की सही मात्रा में मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, रोजाना 1 गिलास ताजे संतरे का जूस पीने से बच्चे में विटामिम डी की कमी पूरी करने में मदद मिलती है। इसके अलावा संतरे अन्य पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे की मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर होने के साथ स्किन से जुड़ी परेशानियों से भी राहत रहेगी।

मशरूम : मशरूम खाने में टेस्टी होने के साथ विटामिन डी से भरपूर होती है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आने में मदद मिलती है। खासतौर पर बच्चे की ग्रोथ के लिए मशरूम काफी फायदेमंद मानी जाती है। ऐसे में इसे बच्चे की डेली डाइट में जरूर शामिल करें। आप इससे बच्चे को अलग-अलग डिशेज बनाकर खिला सकते हैं।

अंडा : अगर आप नॉन वेजीटेरियन है तो बच्चे की डाइट में अंडे शामिल करें। इसका सफेद भाग विटामिन डी से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे को इसकी कमी पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही उसकी सेहत में सुधार आएगा।

कुछ साल पहले टेलीविजन मनोरंजन का एक मात्र जरिया था। लेकिन समय के साथ-साथ मनोरंजन के विकल्प बढते गए। पहले बच्चे अपना अधिकतम समय कहानी सुन कर या खेल खुल कूद में बिताया करते है। परंतु आज वे टीवी देखते हुए अन्य कंप्यूटर खेल को खेल कर बिताना पसंद करते हैं। वे अपने शरीर को बिल्कुल भी हिलाना पसंद नहीं करते। कभी-कभी वे दवा के डर से समस्या को बताते ही नहीं है। परंतु माता-पिता होने के नाते उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए साल में एक बार अपने बच्चे के पूरे शरीर की जांच कराना बहुत जरूरी है। यदि आपको लगता है कि आपके बच्चे की नजर कमजोर हो रही है। पता लगाने के लिए नीचे दिए गए लक्षणों पर ध्यान दें। यदि इन्में से कुछ लक्षण आपके बच्चे में मौजूद हैं तो तुरंत उसके आंखों की जांच कराएं।

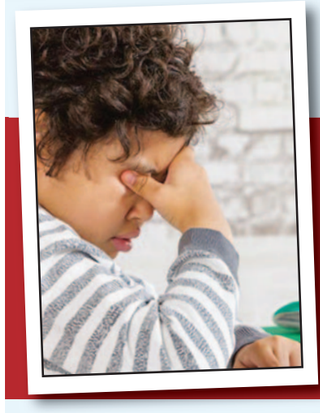

बच्चों की नजर कमजोर होने के 10 लक्षणों को जानें

आंखों को मलना

बच्चों को नींद में अपनी आंखों को मलने की आदत होती है। लेकिन, अगर आपका बच्चा दिन भर आंखे मलता रहता है तो यह एक कमजोर नजर की निशानी हो सकती है।

सर दर्द

सर दर्द के कई कारण होते हैं। लेकिन अगर टीवी देखते हुए या पढाई करते हुए उसे सर दर्द हो रहा है या रोज शाम को सर दर्द की शिकायत हो। तब समझ लें कि आपके बच्चे को चिकित्सा की आवश्यकता है।

एक आंख बंद करता

यदि आपका बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखने लगे या वीडियो गेम खेलने लगे तब समझ जाएं कि उसे चश्मा लगने वाला है।

तेज रोशनी में पलके झपकना

क्या आपके बच्चे को उजाले से परेशानी होती है? या तेज रोशनी देखकर वह अपनी पलकों को तेजी से झपकता है? तेज रोशनी से धीमी रोशनी को ओर बढते वक्त क्या उसे धब्बे नजर आते हैं? इन सारे लक्षणों का कारण है विटामिन की कमी। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढाएं और उसे रोज सुबह गाजर का जूस पिराएं।

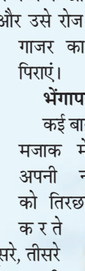

भेंगापन

कई बार बच्चे मजाक में भी अपनी नजरों को तिरछा क र ते हैं। यदि ये मजाक ना हो कर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो आदत की वजह को पहचाने और अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

सर घुमाना

बार-बार सर घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टीवी देखते वक्त बीच-बीच में आंखों को बंद करके सर को हिलाता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

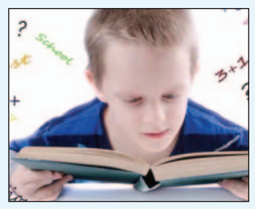

नजदीक से देखना

यदि आपके बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नजर आए और वो उसे देखने के लिए बहुत करीब आए। तब यह सरल लक्षण, उसकी कम होती दृष्टि का संकतक है।

आई बॉल की गति

हालांकि, इस लक्षण को पहचानना आपके लिए थोडा सा मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचाने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नजर आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

लाल आंखें

नींद पूरी ना होना या नेत्रश्लेष्मला शोथ के कारण भी बच्चों की आंखे लाल हो सकती हैं। परंतु यदि ये दो कारण मौजूद ना हो तब कमजोर नजर ही इसका सही कारण होगा।

आंखों में दर्द

आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है। यदि ये लक्षण लगातार नजर आएं तो समझे की निगाहों पर चश्मा टिकाने का वक्त आ गया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली टेस्ट : तीसरे दिन फॉलोऑन खेलते हुए वेस्टइंडीज ने 2 विकेट पर बनाए 173 रन

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। वेस्टइंडीज की टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी (फॉलोऑन) में 2 विकेट खोकर 173 रन बना लिए हैं। जॉन कैंपबेल 87 और शाई होप 66 रन बनाकर नाबाद हैं। टीम अब भी भारत से 97 रन पीछे है। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन बनाकर घोषित की थी। जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई, जिससे भारत ने 270 रन की बढ़त लेने के बाद वेस्टइंडीज की टीम को फॉलोऑन खेलने दिया था। फॉलोऑन खेलते हुए वेस्टइंडीज की टीम को 17 के स्कोर पर पहला झटका लगा। मोहम्मद सिराज ने तेजनारायण चंद्रपॉल को गिल के हाथों कैच कराया। वेस्टइंडीज की टीम का 35 के स्कोर पर एलिक एथनाजे के रूप में दूसरा विकेट गिरा। चंद्रपॉल ने 10 रन और एथनाजे ने सात रन बनाए। दो विकेट जल्दी गिरने के बाद कैंपबेल और होप ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने 138 रन की नाबाद साझेदारी कर स्कोर 2 विकेट पर 173 रन पहुंचा दिया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद कैंपबेल 145 गेंदों में 87 और होप 103 गेंदों का सामना करते हुए 66 रन बनाकर नाबाद हैं। मेहमान टीम अब भी भारत से पहली पारी के आधार पर 97 रन पीछे है।

सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 भारत ने न्यूजीलैंड को हराया

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 में अपने दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड को 4-2 से हराकर जीत दर्ज की। मलेशिया के जोहर बाहरू में खेली जा रही प्रतियोगिता में भारतीय टीम की ओर से अर्शदीप सिंह (2वें मिनट), पीबी सुनील (15वें मिनट), अराइजीत सिंह हुंडल (26वें मिनट) और रोमन कुमुर (47वें मिनट) ने गोल किए। न्यूजीलैंड के लिए गस नेल्सन (41वें मिनट) और ऐडन मैक्स (52वें मिनट) ने गोल किए। पहले मैच में ग्रेट ब्रिटेन को 3-2 से हराकर अपने अभियान की विजयी शुरुआत करने के बाद भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ ठोस शुरुआत के साथ अपनी गति को बनाए रखा। भारतीय जूनियर टीम के लिए पहला गोल पहले क्वार्टर के दूसरे मिनट में ही आ गया, जब अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड के डिफेंस के भेदते हुए गोल दागा। क्वार्टर के आखिरी मिनट में भारत ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। पीबी सुनील ने 15वें मिनट में एक बेहतरीन गोल किया। 2-0 की बढ़त के साथ भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी आक्रामक खेल दिखाया। अराइजीत ने 26वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त 3-0 कर दी।

नीलम करवरिया कप : रवि सिंह की आतिशी बल्लेबाजी, करछना बाहर

सोरांव सेमीफाइनल में पहुंचे फाफामऊ को भी मिली जीत

प्रयागराज ■ एजेंसी

सोरांव विधानसभा ने कोरांव को दस विकेट से हराकर प्रथम नीलम करवरिया कप स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप डी से दोनों मैच जीतकर अंतिम चार में पहुंचने वाली सोरांव पहली टीम बनी।

ग्रुप ए के मुकाबले में फाफामऊ ने करछना को सात विकेट से हराया। लगातार दूसरी हार के साथ ही करछना की टीम प्रतियोगिता से बाहर हो गई। अब इस ग्रुप से इलाहाबाद दक्षिण और फाफामऊ के बीच मैच की विजेता टीम सेमीफाइनल में पहुंच जायेगी।

सोरांव की जीत में अतिथि बल्लेबाज के रूप में खेलने आए वाराणसी निवासी उत्तर प्रदेश के पूर्व एवं अब रेलवे के खिलाड़ी रवि सिंह ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंद पर नौ चौके एवं पांच छक्के की मदद से नाबाद 77 रन की पारी खेली। गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर रविवार को खेले गए मैच में कोरांव विधानसभा ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 116 रन (शिवांश पांडेय 42, विभव कुशवाहा 28, सौरभ सिंह 22, बादल कुमार 2-18, सलमान 2-29, रितेश पटेल 1-18, कुलदीप शर्मा 1-26) बनाए। जवाब में सोरांव विधानसभा ने 9 ओवर में बिना विकेट खोए 117 रन (रवि सिंह 77 नाबाद, सलमान 31 नाबाद) बना लिए। रवि सिंह को शहर के वरिष्ठ क्रिकेटर गिरधारी मिश्र ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया।

इससे पूर्व सुबह खेले गए मैच में करछना विधानसभा ने टॉस हारकर 19.5 ओवर में 117 रन (वर्तुल शुक्ला 31, शिवम यादव 22, अब्दुल कलाम 12, नितिन यादव 3-15, गुलशन वर्मा 2-15, गौरव पाठक 2-23, आदित्य मौर्य 2-24) बनाए। जवाब में फाफामऊ विधानसभा ने 15.2 ओवर में तीन विकेट पर 121 रन (सौरभ प्रताप सिंह 44, गौरव पाठक 29, शिवम सिंह यादव 17, गुलशन वर्मा 15 नाबाद, सुमित अग्रवाल 1-07, करण यादव 1-18, कुलदीप मिश्र 1-19) बना लिए।

गौरव पाठक को पूर्व रणजी क्रिकेटर रजा अली ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। पहले मैच में ताहिर अब्बास व राहुल सिंह एवं दूसरे मैच में हितेश श्रीवास्तव एवं राहुल सिंह ने अंपायरिंग की। दोनों मैच में खुर्शीद अहमद राईन और आशीष भारतीय ने स्कोरिंग की। मोहम्मद आरिफ ने दोनों मैच में तीसरे अंपायर की भूमिका निभाई। केबी काला और जाहिद अली मैच रेफरी का दायित्व निभाया जबकि कमेंट्री अनवर सिद्दीकी एवं कमलेश पटेल ने की। आयोजन सचिव सक्षम करवरिया ने बताया कि सोमवार को पहला मुकाबला इलाहाबाद उत्तर और मेजा विधानसभा के बीच सुबह आठ बजे और दूसरा मुकाबला इलाहाबाद पश्चिम एवं प्रतापपुर विधानसभा के बीच दोपहर 12 बजे से खेला जायेगा।

राष्ट्र के लिए चिकित्सकों का योगदान अद्वितीय : मांडविया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को नई दिल्ली में नागरिकों के बीच फिटनेस और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रव्यापी पहल %संडे ऑन साइकिल% के 44वें संस्करण का नेतृत्व किया। इस सप्ताह के विशेष सहयोगी डॉक्टर और स्वास्थ्य पेशेवर थे, जिन्होंने मोटापे जैसी बीमारियों से निपटने में निवारक स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका और शारीरिक गतिविधि के महत्व पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम में सभी उम्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पदक विजेता प्रवीण कुमार, सोमन राणा और शैलेश कुमार भी शामिल हुए, जिन्होंने लोगों को एक सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्र के प्रति चिकित्सकों के योगदान की सराहना करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि कोविड के दौरान स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मैंने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों के समर्पण को करीब से देखा है। राष्ट्र के लिए उनका योगदान अद्वितीय है और मैं संडे ऑन साइकिल के जरिये फिटनेस का संदेश फैलाने के लिए आप सभी को धन्यवाद देता हूं। मैं आपसे नागरिकों को एक स्वस्थ जीवन की ओर मार्गदर्शन करने का भी आग्रह करता हूं, क्योंकि जब कोई डॉक्टर स्वास्थ्य से संबंधित कुछ कहता है, तो लोग उसका पालन करते हैं।

खेल मंत्री मांडविया ने आगे कहा कि आज, %संडे ऑन साइकिल% पूरे भारत में 10 हजार से अधिक स्थानों पर आयोजित किया गया, जहां डॉक्टर मोटापे से लड़ने के लिए इस पहल में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ दिमाग एक मजबूत राष्ट्र की नींव हैं। साइकिल चलाना व्यायाम का सबसे आसान रूप है और कोई भी इसे अपना सकता है।

जम्मू कश्मीर देहाती सेवा संस्था की तरफ से करवाई जा रही दो दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का हुआ समापन

आरएस पुरा ■ एजेंसी

ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के मकसद से माई भारत मेरा युवा भारत जम्मू (भारत सरकार मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स) की तरफ से जम्मू कश्मीर देहाती सेवा संस्था जिंदडमेलू के सहयोग के साथ गांव वाला चक में करवाई जा रही दो दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का रविवार को फाइनल मुकाबलों के साथ समापन हो गया।

बताते चलें कि इस खेल प्रतियोगिता में ब्लॉक आरएस पुरा, ब्लॉक सतवारी तथा ब्लॉक मीरा साहब के युवा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे थे। इस खेल प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टग ऑफ बार, दौड़ प्रतियोगिता के साथ-साथ अन्य खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुई। अंतिम दिन वॉलीबॉल का फाइनल मुकाबला गांव जिंदडमेलू तथा रठाना वॉलीबॉल क्लब के बीच खेला गया जिसमें रठाना वॉलीबॉल क्लब की टीम ने जीत हासिल की। इसके अलावा अन्य खेल प्रतियोगिताओं में भी बेहतर स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर रिटायर्ड मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी गिरधारी लाल डोगरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा भाजपा के जिला अध्यक्ष रिंकू चौधरी, मंडल अध्यक्ष देवी दिता नीटा, चंद्र भूषण, नथाराम, मनजीत सिंह के साथ-साथ क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे जिन्होंने विजेता रहे खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं मैडल देकर सम्मानित किया और युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वह नशा जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर खेलों की तरफ आगे आएं। इस मौके पर जम्मू कश्मीर देहाती सेवा संस्था के प्रधान गारा राम मोटन ने कहा कि मेरा युवा भारत जम्मू की तरफ से इस दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें तीन ब्लाक के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने बताया कि आज अंतिम दिन खेले गए सभी फाइनल मुकाबले के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया है और आने वाले दिनों में अन्य ब्लॉक में भी इस तरह की खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में आईएचएफ आइटम निर्यात मेला आज से, एक हजार कारोबारी लेंगे हिस्सा

मुरादाबाद। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आईएचएफ आइटम निर्यात मेला 13 अक्टूबर से शुरू होगा। इस मेले में मुरादाबाद के लगभग एक हजार कारोबारी प्रतिभाग करेंगे। वहीं इस निर्यात मेले में 120 देशों से ग्राहकों के आने की उम्मीद है। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के अध्यक्ष मुरादाबाद निवासी डॉ नीरज विनोद खन्ना ने रविवार को उक्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टैरिफ के बाद उपजी विषम परिस्थितियों के बीच आयोजित हो रहा आईएचएफ आइटम निर्यात मिला बहुत ही महत्वपूर्ण होगा। ईपीसीएच ने इस मेले के प्रचार प्रसार के लिए खूब जोर आजमाइश की। चीन और लंदन में रोड शो तक किए गए। अमेरिका के साथ टैरिफ को लेकर चल रही तनातनी के बीच दूसरे देशों के ग्राहकों से सीधा संपर्क साधा गया। उन्होंने बताया कि इस निर्यात मेले में आस्ट्रेलिया, जर्मनी, सऊदी अरब समेत विभिन्न देशों के ग्राहक जुटेंगे। मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट एसोसिएशन के महासचिव व ईपीसीएच के मुख्य संयोजक अवधेश अग्रवाल ने बताया कि आईएचएफ आइटम निर्यात मेल को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस मेले में मुरादाबाद के कारोबारियों को बहुत उम्मीदें हैं, उम्मीद है जो पूरी होंगी। यह मेला आने वाले महीना में काम की दिशा तय करेगा। निर्यातकों की उम्मीदें सकारात्मक है और इस बार भी बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे।

इंडिगो पर 40 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इंदिगो एयरलाइंस पर 40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पायलट ट्रेनिंग में अन-क्वालिफाइड फ्लाइट सिमुलेटर के इस्तेमाल करने की वजह से ये एक्शन लिया गया है। जांच में पाया गया कि करीब 1700 पायलटों की ट्रेनिंग कैटेगरी सी एयरपोर्ट्स जैसे कलिकट, लेह और काठमांडू हवाई अड्डों पर नियमों के अनुसार बताए गए सिमुलेटरों पर नहीं हुई। डीजीसीए ने 11 अगस्त 2025 को ट्रेनिंग डायरेक्टर को शो कॉज नोटिस जारी किया था। इंदिगो ने 22 अगस्त को इसका जवाब दिया लेकिन इसे संतोषजनक नहीं पाया गया, इसलिए पेनल्टी लगाई गई।

दिवाली पर 21-22 अक्टूबर को बंद रहेगा स्टॉक मार्केट

नई दिल्ली। हर साल की तरह इस साल भी दिवाली, लक्ष्मी पूजन और दिवाली बलि प्रतिप्रदा के अवसर पर घरेलू शेयर बाजार में 2 दिन की छुट्टी रहेगी। इस छुट्टी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर ट्रेडिंग नहीं होगी। 21 अक्टूबर को शेयर बाजार में दिवाली, लक्ष्मी पूजन की छुट्टी रहेगी, जबकि 22 अक्टूबर को दिवाली बलि प्रतिपदा की छुट्टी रहेगी। हालांकि दिवाली के दिन यानी 21 अक्टूबर को मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए कुछ देर के लिए शेयर बाजार ओपन होगा। मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए 21 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई दोपहर 1:45 बजे से 2:45 बजे तक 1 घंटे के लिए खुलेगा।

शेयर समीक्षा : पॉजिटिव संकेतों से शेयर बाजार में पूरे सप्ताह बनी रही मजबूती

लगातार दूसरे सप्ताह मजबूती के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

शुक्रवार यानी 10 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे सप्ताह मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुआ। इस सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 1,293.65 अंक यानी 1.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,500.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 391.10 अंक यानी 1.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,285.35 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया।

माना जा रहा है कि मजबूत वैश्विक संकेतों, घरेलू बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों के साथ ही विदेशी निवेशकों की खरीदारी, जियो-पॉलिटिकल टेंशन में कमी आने के संकेत और अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर जारी वार्ता में सकारात्मक प्रगति होने के कारण घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान ज्यादातर समय मजबूती के साथ कारोबार करता रहा।

सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के दौरान बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 1.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, डिवीज लेबोरेटरीज, पॉलिकैब इंडिया, एटरनल, एलटी माइंड ट्री, एचसीएल टेक्नोलॉजी, स्विगी, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस और टेक महिंद्रा के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर टाटा मोटर्स, वारी एनर्जीज, जिंदल स्टील, सीमेंस एनर्जी इंडिया और ह्युंडई मोटर इंडिया के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

लार्ज कैप की तरह ही बीएसई का मिडकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 1.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल आदित्य बिरला कैपिटल, सन टीवी नेटवर्क, नेशनल अल्युमिनियम कंपनी, एलएंडटी फाइनेंस, एजीज वोपैक टर्मिनल्स, बैंक ऑफ इंडिया और फोर्टीस हेल्थ केयर के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर डिक्सन टेक्नोलॉजीज, वर्लपूल ऑफ इंडिया, केपीआईटी टेक्नोलॉजी और हिताची एनर्जी इंडिया के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

लार्ज कैप और मिडकैप इंडेक्स के विपरीत बीएसई का स्मॉल कैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान सपाट स्तर पर बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल जिंदल फोटो, इंद्रप्रस्थ मेडिकल कॉरपोरेशन, स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स, इंडो थाई सिक्योरिटीज, इंफीबीम एवेन्यूज, स्पाइसजेट, साउथ इंडियन बैंक, जीएम ब्रेवरीज, स्टाइलम इंडस्ट्रीज, सैल्जर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्रीमफोक्स सर्विसेज, इंडेफ मैन्युफैक्चरिंग और एवलॉन टेक्नोलॉजीज के शेयर साप्ताहिक आधार पर 15 से 41 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर हेमिस्फेयर प्रॉपर्टीज इंडिया, लूमैक्स ऑटो टेक्नोलॉजीज, शंकर बिल्डिंग प्रोडक्ट्स, पोशाक, जॉन कॉकरेल इंडिया, वीटीएम और प्रवेग के शेयर साप्ताहिक आधार पर 10 से 22 प्रतिशत तक टूट गए।

पिछले सप्ताह के कारोबार में मीडिया सेक्टर के अलावा स्टॉक मार्केट के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी का कैपिटल मार्केट इंडेक्स और आईटी इंडेक्स आउट परफॉर्म करते हुए साप्ताहिक आधार पर 5 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। इसी तरह निफ्टी का पीएसयू बैंक इंडेक्स और मेटल इंडेक्स 4 प्रतिशत, हेल्थकेयर इंडेक्स 3 प्रतिशत, प्राइवेट बैंक इंडेक्स 2.5 प्रतिशत, रियल्टी इंडेक्स और डिफेंस इंडेक्स 2.3 प्रतिशत और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स 2 प्रतिशत की साप्ताहिक मजबूती के साथ बंद हुए। वहीं निफ्टी का मीडिया इंडेक्स करीब 3 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संसाधन निवेशकों (डीआईआई) के कारोबार की बात करें, तो पिछले सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध खरीदार की भूमिका में नजर आए। लगातार 12 सप्ताह तक बिकवाली करने के बाद पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 2,975.53 करोड़ रुपये की खरीदारी करके शुद्ध लिवाल के रूप में अपने साप्ताहिक कारोबार का अंत किया।

घरेलू सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी से नए शिखर पर पहुंचे सोना और चांदी

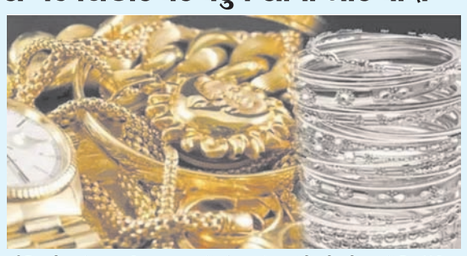

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला आज भी बरकरार रहा। दोनों चमकीली धातुएं आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंची हुई हैं। आज के कारोबार में सोना 1,110 रुपये से लेकर 1,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत 5,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल कर नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,25,080 रुपये से लेकर 1,25,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,14,650 रुपये से लेकर 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 5,680 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की उछाल दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 5,200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। सोने की तरह ही पूरे सप्ताह के कारोबार में के बीच चांदी के भाव में साप्ताहिक आधार पर 25,000 रुपये प्रति किलोग्राम की जबरदस्त मजबूती आ गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,25,230 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,25,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सितंबर में टाटा मोटर्स और मारुति सुजुकी की बिक्री में वृद्धि, हुंदै और टोयोटा की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सितंबर 2025 में टाटा मोटर्स और मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अपनी खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर बढ़ोतरी दर्ज की है। टाटा मोटर्स की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 13.75 फीसदी हो गई, जबकि पिछले साल यह 11.52 फीसदी थी। कंपनी ने इस महीने 32,586 वाहनों की बिक्री की। वहीं, मारुति सुजुकी ने 1,23,242 इकाइयों की खुदरा बिक्री की, जिससे उसकी बाजार हिस्सेदारी 41.17 फीसदी तक बढ़ गई। पिछले साल सितंबर में मारुति की बिक्री 1,15,530 वाहन थी। दूसरी ओर, हुंदै मोटर इंडिया की बिक्री और बाजार हिस्सेदारी दोनों में कमी आई है। इस साल सितंबर में हुंदै की बिक्री 35,812 रही, जबकि पिछले साल 38,833 वाहन बेचे गए थे। बाजार हिस्सेदारी 13.72 फीसदी से घटकर 11.96 फीसदी हो गई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की भी बाजार हिस्सेदारी गिरकर 6.78 फीसदी रह गई, जबकि पिछले साल यह 7.35 फीसदी थी। कंपनी की बिक्री में मामूली गिरावट देखी गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 37,659 वाहनों की बिक्री की, हालांकि उसकी बाजार हिस्सेदारी लगभग स्थिर रही। किआ इंडिया की बिक्री में मामूली वृद्धि हुई लेकिन बाजार हिस्सेदारी घटकर 6.78 फीसदी रह गई। दोपहिया क्षेत्र में हीरो मोटोकॉर्प ने बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर 25.10 फीसदी कर ली, जबकि होंडा मोटरसाइकिल की हिस्सेदारी घटकर 25.05 फीसदी रह गई। टीवीएस मोटर कंपनी की हिस्सेदारी भी बढ़ी। कुल मिलाकर, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 6 फीसदी और दोपहिया वाहन बिक्री 6.5 फीसदी बढ़ी है।

भारत तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के अनुसार भारत अब 125 गीगावाट (जीडब्ल्यू) स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। इस उपलब्धि के साथ भारत ने जापान (96 जीडब्ल्यू) को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2025 के अंत तक भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता 192 जीडब्ल्यू तक पहुंच गई है। इसमें सौर, पवन, बायोमास और जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक यह क्षमता 500 जीडब्ल्यू तक पहुंच जाए।

2025 में भारत ने केवल अप्रैल से सितंबर के बीच 25 जीडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ी है। इसमें 21.7 जीडब्ल्यू सौर ऊर्जा और 3.09 जीडब्ल्यू पवन ऊर्जा शामिल है। जुलाई 2025 तक देश की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 119.02 जीडब्ल्यू थी, जिसमें से 90.99 जीडब्ल्यू जमीन आधारित सौर संयंत्रों और 19.88 जीडब्ल्यू रूफटॉप सिस्टम से आई है। वहीं तापीय ऊर्जा की हिस्सेदारी में गिरावट दर्ज की गई है। अब देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता 485 जीडब्ल्यू है, जिसमें तापीय (कोयला व गैस) बिजली सिर्फ 49.9 फीसदी रह गई है। 2015 में यह आंकड़ा 70 फीसदी था। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है जो भारत के हरित ऊर्जा की ओर बढ़ते कदम को दर्शाता है। इंटरनेशनल थिंक टैंक एम्बर के अनुसार इस वर्ष की पहली छमाही में भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन में 17 टेरावाट-घंटे की वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। यह परिवर्तन भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के टैरिफ पर भड़के चीन ने चेताया कहा - दोहरे चरित्र वाले अमेरिका से लड़ने को तैयार

बीजिंग। टैरिफ को लेकर चीन और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ गया है। चीन ने साफ शब्दों में कह दिया है कि अमेरिका दोहरा चरित्र रखता है और ऐसे देश पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। ऐसे में हम अमेरिकी टैरिफ वॉर से लड़ने को तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि 1 नवंबर से सभी चीनी सामानों पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इससे अमेरिकी बाजार में चीनी उत्पादों पर कुल टैक्स दर लगभग 130प्रतिशत तक पहुंच जाएगी, जो पिछले कई दशकों में सबसे ऊंची है। चीन ने इस कदम को अनुचित और दोहरे मापदंड वाला बताया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, 'हाई टैरिफ की धमकी देना चीन से संबंध सुधारने का सही तरीका नहीं है। हमारी स्थिति साफ है। हम व्यापार युद्ध नहीं चाहते, लेकिन उससे डरते भी नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर अत्यधिक आक्रामक और शत्रुतापूर्ण व्यापार नीति अपनाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि चीन ने हाल ही में रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर अमेरिका पर दबाव बनाने की कोशिश की है। इसके जवाब में ट्रंप प्रशासन ने महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर और टेक्नोलॉजी पर एक्सपोर्ट कंट्रोल लागू कर दिया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, 'यह राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की रक्षा के लिए आवश्यक है। चीन ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने 100 परसेंट टैरिफ लागू किया तो वैश्विक व्यापार व्यवस्था चरमरा जाएगी।

भारत-अफगानिस्तान संयुक्त बयान से बौखलाया पाकिस्तान

इस्लामाबाद। भारत और अफगानिस्तान द्वारा जारी संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर का उल्लेख पाकिस्तान को नागवार गुजरा। शनिवार को पाकिस्तान ने अफगान राजदूत को तलब कर इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली में जारी यह बयान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन है। दरअसल, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत यात्रा पर हैं। गुरुवार को नई दिल्ली में भारत और अफगानिस्तान के बीच हुई बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की गई थी। अफगानिस्तान ने न केवल इस हमले को आतंक की नापाक हरकत बताया बल्कि भारत की जनता और सरकार के प्रति संवेदना और एकजुटता भी जताई। संयुक्त बयान में यह भी कहा गया कि दोनों देशों ने क्षेत्रीय आतंकवाद की हर रूप में निंदा की और शांति, स्थिरता तथा आपसी विश्वास को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस बयान में जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा माने जाने के संकेत से पाकिस्तान आगबबूला हो गया।

हमास के बंधकों की रहाई का मामला, नई सूची में नेपाल के विपिन जोशी का नाम भी शामिल

काठमांडू। हमास और इजराइल के बीच संघर्ष विराम समझौते के प्रारंभिक चरण के हिस्से के रूप में सोमवार को अपेक्षित रिहाई से पहले जीवित बंधकों की सूची में नेपाली नागरिक विपिन जोशी का भी नाम शामिल है। टाइम्स ऑफ इजराइल और वाशिंगटन पोस्ट ने बताया कि विपिन उन लोगों में से हैं जिनके जीवित होने की पुष्टि हुई है। इससे पहले जारी सूची में विपिन जोशी की स्थिति को अज्ञात के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। लेकिन हमास के नेताओं के हवाले से द वाशिंगटन पोस्ट, द टाइम्स ऑफ इजराइल और एसोसिएटेड प्रेस द्वारा प्रकाशित नई सूची में उसके जीवित होने की पुष्टि की है। वर्तमान में जीवित माने जाने वाले सभी बंधक पुरुष हैं, जिनमें से अधिकांश 20 और 30 साल के बताए गए हैं। संघर्ष विराम के पिछले चरण में 50 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं, बच्चों और पुरुषों की रिहाई देखी गई। नेपाली छात्र विपिन जोशी का दक्षिणी इजराइल के एलुमिम किबुत्ज में एक क्षेत्र में काम करते समय अपहरण कर लिया गया था। उनके परिवार ने गाजा में इजरायली बलों द्वारा हाल ही में बरामद वीडियो प्राप्त करने की पुष्टि की है, जिसमें दिखाया गया है कि वह जीवित है।

कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो और सिंगर केटी पेरी का किसिंग सीन वायरल

ओटावा। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो इन दिनों रोमांस फरमाते नजर आ रहे हैं। उन्हें जब जहां मौका मिलता है वे देश दुनिया से बेखबर होकर आलिंगन में व्यस्त हो जाते हैं कि उन्हे ये भी पता नहीं चलता कि उनके आसपास क्या हो रहा है। चर्चा उस वीडियो से शुरु हुई जिसमें जो ट्रूडो और मशहूर सिंगर केटी पेरी एक दूसरे को किस करते नजर आ रहे हैं। ट्रूडो अपने देश से बाहर एक यॉट में ग्लोबल सिंगर केटी पेरी के साथ 'पर्सनल एंड क्वालटी' टाइम एंजॉय करते हुए देखा गया। इसी दौरान किसी ने उनकी तस्वीरें ले लीं और अब ये दुनियाभर में छाई हुई हैं। पहले भी कनाडा के मॉट्रियल में वे जुलाई में डिनर करते हुए देखे गए थे और तब से ही ये रिश्ता हेडलाइंस में आ गया था।

केंद्रीय गृह मंत्री जयपुर में कल करेंगे नई आपराधिक संहिताओं पर प्रदर्शनी का उद्घाटन

जयपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को यहां सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एवं कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में नवीन आपराधिक कानूनों पर आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। उनके आगमन को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को आयोजन स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की।

काठमांडू जेल से फरार पाकिस्तानी महिला त्रिपुरा रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार

अगरतला ■ एजेंसी

नेपाल में अशांति के दौरान काठमांडू जेल से भागी पाकिस्तानी महिला को दक्षिण त्रिपुरा के सबरूम रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। जेल से भागी पाकिस्तानी महिला ने अपना नाम 50 वर्षीय साहिना परवीन बताया, लेकिन उसका असली नाम लुई निघत अख्तर बानो है। उसे मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

राज्य पुलिस मुख्यालय के एक शीर्ष आधिकारिक सूत्र के अनुसार, महिला शनिवार रात कंचनजंगा एक्सप्रेस से सबरूम रेलवे स्टेशन पहुंची। जीआरपी कर्मियों को उसके व्यवहार पर शक हुआ। उन्होंने उससे पूछताछ की। जब उसकी बातचीत में विरोधाभास पाया गया, तो जीआरपी जवानों ने उसे हिरासत में ले लिया और पुलिस स्टेशन ले गए।

पुलिस अधिकारी को पता चला कि शुरुआती पूछताछ में महिला ने खुद को दिल्ली के पुरानीबस्ती निवासी साहिना परवीन बताया। लेकिन वह दिल्ली निवासी का कोई वैध पहचान पत्र नहीं दिखा सकी। इसके बाद उसके सामान की तलाशी ली गई।

बैग से कुछ पाकिस्तानी संपर्क नंबरों सहित कुछ दस्तावेज बरामद हुए। बरामद दस्तावेजों की जांच के बाद पता चला कि महिला का असली नाम लुई निघत अख्तर बानो है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि वह पाकिस्तान के शेखपुरा जिले के यंगानाबाद गांव के चौक नंबर 371 निवासी मोहम्मद गोलाफ फराज की पत्नी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि लुई निघत अख्तर बानो 2014 में पाकिस्तानी पासपोर्ट के जरिए नेपाल में दाखिल हुई थी। उसे नेपाल पुलिस ने काठमांडू में एक किलो ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया था। बाद में, काठमांडू की एक अदालत ने मुकदमे के दौरान उसे 15 साल कैद की सजा सुनाई। लुई निघत अख्तर कुछ दिन पहले नेपाल में अशांति के दौरान काठमांडू जेल से फरार हो गई थी। परवीन के बयान का हवाला देते हुए, पुलिस अधिकारी ने कहा कि वह लगभग 15/16 दिन पहले किसी तरह सीमा पार करके भारत में आ गई थी। उसने कथित तौर पर कहा था कि उसने पाकिस्तान जाने के लिए एजेंटों की मदद ली थी। एजेंटों ने उसे पहले त्रिपुरा या पश्चिम बंगाल होते हुए बांग्लादेश जाने और फिर वहां से पाकिस्तान लौटने की सलाह दी थी। उनकी सलाह के अनुसार, वह कंचनजंगा एक्सप्रेस से त्रिपुरा आयी थी और पश्चिम बंगाल के बजाय सबरूम (दक्षिणी त्रिपुरा) से बांग्लादेश जाने की योजना बना रही थी। हालांकि, त्रिपुरा पुलिस ने उसके बयान की सत्यता की पुष्टि करने और भारत में उसकी गतिविधियों और संभावित नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

पीएम मोदी और देश के सभी मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित करने की घोषणा की

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में अब 5 लाख लोग एक साथ करेंगे गीता का पाठ

कोलकाता ■ एजेंसी

गीता पाठ को लेकर एक बार फिर पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में विश्व रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन के तहत कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आगामी 7 दिसंबर को इस बार पांच लाख लोगों के साथ सामूहिक गीता पाठ का आयोजन करने की तैयारी है। इस संबंध में शनिवार को भारत सेवाश्रम संघ के श्रीनिधि सभा गृह में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में इस कार्यक्रम की जानकारी सनातन संस्कृति संसद की ओर से दी गई।

पत्रकार सम्मेलन में स्वामी ज्ञानानंद महाराज, प्रदीप्तानंद महाराज और निर्गुणानंद ब्रह्मचारी उपस्थित थे। बताया गया कि यह आयोजन 7 दिसंबर को होगा और इसके लिए प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, देश के सभी मुख्यमंत्रियों, और विशेष रूप से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आमंत्रित करने की घोषणा की है।

ज्ञानानंद महाराज ने कहा, भगवद गीता किसी एक धर्म या जाति के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक है। यह शांति और सद्भावना का संदेश देती है। मानसिक क्लेश और जीवन के संघर्षों से निपटने के लिए गीता का अध्ययन आवश्यक है। इसीलिए इतनी भारी जनसमूह के बीच गीता का सामूहिक पाठ होगा।

लड़कियों को देर रात बाहर नहीं जाना चाहिएः ममता

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में ओडिशा की मेडिकल छात्रा से हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अजीबोगरीब बयान दिया है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन को चुस्त करने के बजाय उन्होंने नसीहत दी है कि दूसरे राज्यों से बंगाल आई लड़कियों को रात के समय बाहर नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं, खासकर राज्य के बाहर से आने वाली लड़कियों को रात में बाहर नहीं जाना चाहिए और हॉस्टल के नियमों का पालन करना चाहिए। विपक्षी दलों ने सवाल खड़े किए हैं। ममता बनर्जी ने रविवार को कोलकाता हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए कहा, यह एक चौंकाने वाली घटना है। हमारी सरकार का ऐसे अपराधों के प्रति शून्य सहिष्णुता का रुख है। तीन आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं और बाकी की तलाश जारी है। किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। लेकिन इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि जो छात्राएं हॉस्टल में रहती हैं, खासकर जो बंगाल के बाहर से पढ़ने आई हैं, उन्हें हॉस्टल के नियमों का पालन करना चाहिए। उन्हें देर रात बाहर नहीं निकलना चाहिए, भले ही उन्हें कहीं जाने का मौलिक अधिकार हो। मुख्यमंत्री का यह बयान सामने आते ही कई सामाजिक संगठनों और विपक्षी दलों ने इसे 'पीड़िता को दोष देने वाली मानसिकता' बताया। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री को यह बताना चाहिए कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रही है, न कि यह समझाना चाहिए कि लड़कियों को कब और कहां जाना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आयोजन किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति और सामाजिक सद्भावना को मजबूत करने के लिए किया जा रहा है। कहा कि पांच लाख कंठों से गीता पाठ किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं, बल्कि बंगाल की गौरवपूर्ण परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए है।

स्वामी जी ने बताया कि इस बार गीता पाठ के लिए समान ड्रेस कोड रखा गया है ताकि एकरूपता रहे। महिलाओं के लिए लाल किनारी वाली साड़ी और हाथ में शंख, जबकि पुरुषों के लिए धोती-पंजाबी। किसी तरह की पंजीकरण प्रक्रिया नहीं होगी और हर व्यक्ति इस आयोजन में शामिल हो सकेगा।

कार्तिक महाराज ने कहा कि गीता विश्वकल्याण का मार्ग है। आज के युवा समाज में जो नैतिक और चारित्रिक पतन देखा जा रहा है, उसका समाधान गीता में ही निहित है। सभी के उद्धार का मार्ग गीता दिखाती है।

उन्होंने बताया कि गीता पाठ की परंपरा नवद्वीप धाम से शुरू हुई थी और अब यह बंगाल के हर जिले तक पहुंच चुकी है। गीता की लोकप्रियता इतनी बढ़ी है कि पिछले 100 वर्षों में इतनी अधिक प्रतियां नहीं बिकीं जितनी हाल के महीनों में बिकी हैं। स्वामी निर्गुणा नंद ने कहा कि यह आयोजन न केवल एक धार्मिक उत्सव होगा, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाई देने का प्रतीक भी बनेगा।

उल्लेखनीय है कि, 24 दिसंबर, 2023 को इसी तरह का आयोजन ब्रिगेड परेड मैदान में हुआ था, जिसमें एक लाख लोगों ने सामूहिक तौर पर गीता पाठ किया था। हालांकि उस समय कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी उपस्थित नहीं हो पाए थे।

स्मार्ट मीटर बना जी का जंजाल बिलिंग और पारदर्शिता पर उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ी

जगह-जगह हो रहा मीटर लगाने का विरोध

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देशभर के कई राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम बड़े पैमाने पर हो रहा है। इसके चलते बिजली उपभोक्ताओं में भारी चिंता और विरोध भी बढ़ गया है। विशेषज्ञ और उपभोक्ता संगठन कह रहे हैं कि स्मार्ट मीटर के कारण बिलिंग और पारदर्शिता का नियंत्रण निजी कंपनियों के हाथ में चला गया है। जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं वहां के अधिकांश उपभोक्ताओं को अनजाने में कम बिजली खपत के बावजूद अधिक शुल्क देना पड़ रहा है।

विभिन्न राज्यों की मीडिया रिपोर्टों और उपभोक्ता शिकायतों के अनुसार, स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद कई जगहों पर बिल असामान्य रूप से बढ़ने के मामले सामने आए हैं। नैनीताल में कुछ उपयोगकर्ताओं को हजारों रुपये की बजाय लाखों रुपये के बिल थमाए जा रहे हैं। पुणे, नोएडा और मध्य प्रदेश के भोपाल सहित अन्य शहरों में भी सैकड़ों उपभोक्ताओं ने अचानक बढ़े बिलों पर विरोध जताया है। मुंबई में जबरदस्त विरोध के चलते कई क्षेत्रों में मीटर बदलने का काम रोकना पड़ गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि पारंपरिक मैकेनिकल मीटर में उपभोक्ता खुद बिजली की रीडिंग और बिलिंग की जांच कर सकते थे और गड़बड़ी होने पर शिकायत दर्ज कराकर सुधार करवा सकते थे। लेकिन स्मार्ट मीटर की रियल-टाइम कनेक्टिविटी और सर्वर-आधारित बिलिंग के कारण उपभोक्ताओं के लिए जांच करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। उपभोक्ता अब यह तय नहीं कर सकते कि बिल गलत है या सही, और स्मार्ट मीटर की रीडिंग, डेटा और बिलिंग लॉजिक का कोई स्वतंत्र ऑडिट नहीं है।

स्मार्ट मीटर का लगातार हो रहा विरोध

स्मार्ट मीटर लगाने वाले क्षेत्रों में उपभोक्ता समूह लगातार विरोध कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि सॉफ़्टवेयर, डेटा-हैंडलिंग और बिल निर्माण प्रक्रिया का स्वतंत्र, मानकीकृत ऑडिट तंत्र और कानूनी मॉनिटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके बिना स्मार्ट मीटर लगाना जोखिम भरा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बिजली बाजार में निजी कंपनियों की भागीदारी से टैरिफ और सेवा मॉडल में अराजकता बढ़ सकती है। 'डायनेमिक प्राइसिंग' के कारण मांग बढ़ने पर कीमतें बढ़ सकती हैं, और उपभोक्ता को इसकी जानकारी पहले नहीं मिलेगी। इससे विशेष रूप से कम और मध्यम आय वाले वर्ग प्रभावित होंगे।

कांग्रेस 70 सीटों की मांग पर अड़ी, राजद 50 से 54 सीटें देने के मूड में

यही रात अंतिम, यही रात भारी!, पप्पू की पोस्ट ने सियासत में मचाई हलचल

पटना ■ एजेंसी

पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर कबीर का दोहा पोस्ट किया- जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है इसके बाद 12 अक्टूबर की रात 1.28 बजे उन्होंने दूसरा पोस्ट किया- यही रात अंतिम, यही रात भारी! यह वक्त वही है जब सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस-राजद के बीच बातचीत फंसी है। इसी बीच पप्पू यादव के ऐसे पोस्ट को देखकर सियासी गलियारों में हलचल मच गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पप्पू यादव का पोस्ट ऐसे समय सामने आया है जब कांग्रेस और राजद के बीच सीट शेयरिंग पर टकराव जारी है। कांग्रेस 70 सीटों की मांग पर अड़ी है, जबकि राजद 50 से 54 सीटें देने के मूड में है, जबकि कांग्रेस ने अपने तेवर अब तक कड़े कर रखे हैं। इसी बीच पप्पू यादव का कहना है कि कांग्रेस अब सिर्फ 'सहयोगी' नहीं, बराबर की भागीदार बनना चाहती है। इसके पहले तो उन्होंने कांग्रेस के लिए 100 सीटों तक की मांग भी सामने रख दी थी। अब उनके पोस्ट को

गठबंधन पर दबाव बनाने की रणनीति माना जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर मुकेश सहनी की विकाशसील इंसान पार्टी और वाम दलों की मांगों ने समीकरण और पेचीदा बना दिया है। ऐसे में अब महागठबंधन को एकजुट रखना एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि कांग्रेस ने 70 सीटों की मांग की है और 60 सीटों पर उम्मीदवारों की सूची भी तैयार कर ली है। दूसरी तरफ राजद कांग्रेस को 50-54 सीटें देने पर अड़ा है। वीआईपी पार्टी 30 सीटों की मांग कर रही है, जबकि वाम दलों ने 40 से ज्यादा सीटों का दावा किया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में वाम दलों की डिमांड 60 तक बताई जाती है। जाहिर है इस वजह से महागठबंधन का सीट शेयरिंग का फॉर्मूला फंसा है।

पप्पू यादव सीमांचल और कोसी क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखते हैं और वे कांग्रेस के करीब माने जाते हैं। आप यूं कह सकते हैं कि वह अनौपचारिक रूप से कांग्रेस के नेता हैं। ऐसे में महागठबंधन में उनकी भूमिका एक प्रेशर फैक्टर के रूप में देखी जाती है। उनके पोस्ट को कांग्रेस का अप्रत्यक्ष संदेश माना जा रहा है कि अगर सीट बंटवारे में बराबरी न मिली तो पार्टी समझौता नहीं करेगी।

बता दें पप्पू यादव ने हाल ही में एक बयान में राजद को 'तकनीकी पार्टी' कहा था और कांग्रेस को 'मास पार्टी' कहा था। उनका तर्क साफ है गठबंधन के सभी दलों का सम्मान जरूरी है, वरना राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। सूत्र बताते हैं कि लालू-तेजस्वी खेमे में आपात बैठकें हो रही हैं, लेकिन वीआईपी और वाम दलों की मांगें टेंशन दे रही हैं। अगर ये तनातनी नहीं थमी तो नामांकन की आखिरी तारीख से पहले ही गठबंधन टूटने का खतरा मंडरा रहा है।

अफगानिस्तान शांति चाहता है, पाकिस्तान नहीं माना तो अन्य विकल्प मौजूद: विदेश मंत्री मुत्ताकी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ती तनातनी के बीच अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने कहा है कि अफगानिस्तान शांति चाहता है, लेकिन अपने सीमाई और राष्ट्रीय हित की रक्षा से समझौता नहीं करेगा। क़तर और सऊदी अरब की मध्यस्थता पर अफगान पक्ष ने फिलहाल संघर्ष विराम किया है, परन्तु यदि पाकिस्तान शांति नहीं चाहेगा, तो अफगानिस्तान के पास अन्य विकल्प भी मौजूद हैं।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्ताकी ने आज दूसरी बार अफगान दूतावास में प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया और पिछली पत्रकार वार्ता में महिला पत्रकारों को नहीं बुलाए जाने के मुद्दे पर सफाई भी दी। इस पत्रकार वार्ता में आज आगे की पंक्तियों में महिला पत्रकार मौजूद रही।

अमीर खान मुत्ताकी ने पाकिस्तान के साथ तनाव को लेकर कहा कि वहां के लोग और अधिकांश राजनेता अफगानिस्तान से अच्छे संबंध चाहते हैं, परंतु कुछ तत्व माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2,400 किमी लंबी दुर्गम ड्यूरंड रेखा को बल प्रयोग से कोई नहीं नियंत्रित कर सका-न चंगेज़, न ब्रिटिश, न अमेरिकी।

मुत्ताकी ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान में जारी संघर्ष उसका आंतरिक मामला है और अफगानिस्तान को इसके लिए दोष देना अनुचित है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सवाल पर उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में उसकी कोई मौजूदगी नहीं है। जो लोग वहां हैं, वे पाकिस्तान के विस्थापित शरणार्थी हैं। उन्होंने चार घंटे की सीमित जवाबी कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि अफगान सेना ने लक्ष्य प्राप्त किए और किसी नागरिक को हानि नहीं पहुंचाई। क़तर व सऊदी अरब के आग्रह पर संघर्ष फिलहाल रोका गया है। मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान अपने सीमाई और राष्ट्रीय सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी स्वयं निभाता है। किसी भी खतरे की स्थिति में जनता और सरकार एकजुट होकर देश की रक्षा करते हैं। उन्होंने बताया कि अफगान शासन इस्लामी सिद्धांतों पर आधारित है, जिसमें स्त्री-पुरुष दोनों के अधिकार सुरक्षित हैं।

मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों को

तीन उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद

इंफाल ■ एजेंसी

मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए अलग-अलग अभियानों में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के तीन कैडरों को पिछले 24 घंटों के दौरान गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से एवं अन्य एक अभियान में भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया है।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज जारी एक बयान में बताया गया है कि सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के याइरीपोक थानांतर्गत याइरीपोक बाजार से केसीपी (अपुनबा) के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान थौबल जिलांतर्गत याइरीपोक लीरोंगथेल माखा लीकाई निवासी खुमानथेम नाओचा (33) के रूप में की गयी है।

वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के बिष्णुपुर थानांतर्गत बिष्णुपुर वार्ड नंबर 6 से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय कैडर मोइरंगथेम मोहन सिंह उर्फ परी (42) को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से एक एसएम कार्बाइन और एक मैगजीन, दो एके सीरिज के मैगजीन, 24 राउंड एके सीरिज के कारतूस, एक छद्म टी-शर्ट और एक मोबाइल और 2 सिम कार्ड बरामद किया गया है।

इसी कड़ी में सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर

जिले के मोइरांग थानांतर्गत ओम्बा हिल क्रॉसिंग क्षेत्र से केसीपी (ताइबांगनबा) के एक सक्रिय कैडर, बिष्णुपुर जिले के चांदपुर मयाई लीकाई निवासी हेइसनम सनाथोई मैतेई उर्फ नानाओ (36) को गिरफ्तार किया। वह मोइरांग क्षेत्र में जनता से जबरन वसूली में शामिल था। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और एक दोपहिया वाहन जब्त किया गया।

जबकि, एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के पटसोई थानांतर्गत खोंगाखुल और लोंगा कोइरेंग गांवों को जोड़ने वाले नगैरंगबाम लौकोन आईबीआर से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया। बरामद हथियारों में एक .303 राइफल एक मैगजीन के साथ, एक संशोधित .303 राइफल एक मैगजीन के साथ, पांच पिस्तौल एक-एक मैगजीन के साथ, पांच हेलमेट, चार बीपी वेस्ट कम मैगजीन पाउच, आठ प्लेटें जिनके बीपी के रूप में इस्तेमाल होने का संदेह है, एक बाओफेंग हैंड हेल्ड सेट अपने चार्जर के साथ, 10 जोड़ी छलावरण पैंट और संबंधित छलावरण शर्ट और चार बैग शामिल हैं। इस बीच सुरक्षा बल विभिन्न जिलों के सीमांत और संवेदनशील क्षेत्रों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व जारी रखे हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं। मणिपुर के विभिन्न जिलों में, पहाड़ी और घाटी दोनों में, कुल 115 नाके/चेकपॉइंट स्थापित किए गए थे।

कल्याण। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले मुंबई से सटे डोंबिवली के कांग्रेस नेता प्रकाश उर्फ मामा पगारे ने फिर एक विवादित बयान दिया है। शनिवार को कल्याण में आयोजित कांग्रेस पार्टी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना की। मगर आलोचना करते हुए उनकी जुबान फिसल गई। इस वजह से फिर एक नया विवाद शुरू हो गया है। दरअसल कार्यक्रम में बोलते हुए पगारे ने कहा कि नामर्द लोग आरएसएस में गए। जब उन्होंने यह आलोचना की तब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया आज हरदा जिले के प्रवास पर

नर्मदापुरम। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया सोमवार 13 अक्टूबर को हरदा जिले के प्रवास पर रहेगी। प्राप्त जानकारी अनुसार श्रीमती नारोलिया प्रातः 10:00 बजे नर्मदापुरम से प्रस्थान कर दोपहर 12:00 बजे हरदा पहुंचेंगी तथा स्थानीय आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन कार्यक्रम में सम्मिलित होगी। श्रीमती नारोलिया दोपहर 3:40 बजे हरदा से प्रस्थान कर दोपहर 4:00 बजे टिमरनी पहुंचेंगे एवं यहां स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होने के उपरांत शाम 6:00 बजे टिमरनी से प्रस्थान करेंगी।

कलेक्टर सोनिया मीना ने की इको सेंसेटिव जोन प्रस्तावों की समीक्षा

नर्मदापुरम। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने पिपरिया, सोहागपुर एवं इटारसी क्षेत्र अंतर्गत वन्य क्षेत्र के इको सेंसेटिव जोन की भूमि निर्धारण के लिए तैयार किए गए प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने प्रत्येक अनुविभाग के वन विभाग एवं संबंधित विभागों द्वारा तैयार किए गए नक्शों और प्रस्तावों का गहन परीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सोहागपुर क्षेत्र से लगे हुए वन क्षेत्र का एसडीएम द्वारा पुनः स्थल निरीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा की अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें निर्धारण प्रक्रिया के दौरान किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से प्रभावित न होना पड़े। कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि इटारसी एवं पिपरिया द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव एवं नक्शे आगामी आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूमि चिन्हांकन की प्रक्रिया शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं मापदंडों के अनुरूप ही की जाए। इस अवसर पर उपसंचालक स्तर ऋषभा नेताम, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भागवत शरण माथुर स्मृति उत्कृष्ट नर्मदा सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया

सिवनी मालवा। तहसील के नर्मदा तट पर स्थित ग्राम बावरी घाट को देवी धाम सलकनपुर में स्वर्गीय भागवत शरण माथुर स्मृति उत्कृष्ट नर्मदा सेवा पुरस्कार सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें माँ नर्मदा परिक्रमावासी को संपूर्ण मध्यप्रदेश में नर्मदा परिक्रमावासी भक्तों की सेवा करने वाले आश्रमों में ग्राम बाबरी (रेवापुर) नर्मदा तट के श्री गुरु दादाजी आश्रम बाबरी को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। पुरस्कार के रूप में संस्था द्वारा 51,000=00 रुपये का चेक प्रदान किया। श्री गुरु दादाजी आश्रम के मुख्य पुजारी श्री आनंददास सुशील महाराज जी ने बताया कि गुरु महाराज श्री श्री 1008 दादा जी धूनी बाले का मंदिर में आश्रम स्थापित हैं आश्रम में प्रतिदिन परिक्रमावासी श्रद्धालुओं के लिए विश्राम भोजन प्रसादी सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध है आश्रम के लिए भूमि बाबरी सरपंच लीलाधर पटेल यदुवंशी के द्वारा दान की गई है ग्राम बाबरी के और आसपास के सभी लोगों द्वारा सहयोग किया जाता है।

महाआरती की जजमानी रचना-मनोज अग्रवाल द्वारा की गई

भगवान अग्रसेन महाराज की उन्नीसवीं महाआरती सम्पन्न

भोपाल ■ अमृत दर्शन

अग्रकुल प्रवर्तक एवं अग्रवाल समाज के आराध्य देव भगवान श्री अग्रसेन महाराज एवं कुलदेवी माता लक्ष्मी की उन्नीसवीं महाआरती आज आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने, भोपाल में सम्पन्न हुई। महाआरती में बड़ी संख्या में अग्रबंधु, महिलाएं एवं बच्चें शामिल हुए। विनीत अग्रवाल ने बताया कि महाआरती चैत्र नवरात्र 2024 से प्रारंभ की गई थी, जो प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को निरंतर आयोजित की जा रही है। साथ ही महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर नियमित माल्यार्पण किया जा रहा है।

नितिन गुप्ता ने बताया कि नियमित महाआरती होने से समाज में काफी उत्साह एवं उमंग का माहौल बना हुआ है। अग्रवाल समाज के लोग आरती की जजमानी करने के लिए बड़चढ़ कर हिस्सा ले रहे है। नियमित महाआरती किए जाने का उद्देश्य अग्रवाल समाज भगवान अग्रसेन के आदर्शों को आत्मसात कर समाज कल्याण और समाज के उत्थान में अपनी भूमिका निभा सकें।

महाआरती में राहुल अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अमित मित्तल, मनोज अग्रवाल, चंद्रेश अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, विजय गर्ग, कैलाश अग्रवाल, पलाश गुप्ता, राकेश जी साहब, अनिल अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, बंटी निशा गुप्ता, रानी मित्तल, आशा गुप्ता, कुसुम अग्रवाल रीना अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, शोभा अग्रवाल, दिशा अग्रवाल, मधु अग्रवाल सहित अनेक अग्रवाल समाज के लोग शामिल हुए।

मढ़ई में पहुंच रहे पर्यटक; 27 जिप्सियों सफारी करने पहुंचे थे लोग

झाड़ियों से अचानक निकला टाइगर, पर्यटक खुश

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मढ़ई में कोर क्षेत्र में जंगल सफारी करने पर्यटक पहुंच रहे है। रविवार को सुबह और इवनिंग सवारी के लिए 28 जिप्सी की बुकिंग रही। जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को बाघ के दीदार हुआ। अचानक झाड़ियों में से निकले बाघ को देख खुश हुए। रोमांचित करने वाले नजारे को पर्यटकों ने अपने कैमरे में कैद कर लिया।

मढ़ई के कोर क्षेत्र के 11 अक्टूबर से गेट खुल गए है। पहले दिन 27 जिप्सियों से पर्यटक सफारी के लिए पहुंचे थे। शनिवार और रविवार दोनों दिन पर्यटकों को बाघ के दीदार हुए। रेंजर राहुल उपाध्याय ने बताया दूसरी शिफ्ट के बाद सफारी करने गए पर्यटकों को बाघ दिखाई दिया।

रासायनिक खेती से मिट्टी की घट रही उपजाऊ शक्ति, किसानों को जैविक खेती अपनाने का आग्रह

सिवनी मालवा, निप्र। खेती में अधिक उत्पादन और कीट नियंत्रण की चुनौती से जूझ रहे किसान तेजी से रासायनिक खाद और दवाओं का उपयोग बढ़ा रहे हैं। शुरुआत में फसलें हरी-भरी दिखती हैं, लेकिन धीरे-धीरे यही रसायन मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को कम कर देते हैं और मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर डालते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह स्थिति जारी रही तो भविष्य में खेती की जमीन बंजर हो सकती है और लोगों में कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। इसी खतरे के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए शिवशक्ति एग्रीटेक द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम बाबडिया बापू में एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में कृषि अधिकारी अभिषेक शर्मा ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि रासायनिक खेती अल्पकालिक लाभ तो देती है, लेकिन दीर्घकाल में यह मिट्टी की जीवनदायिनी शक्ति को नष्ट कर देती है। उन्होंने किसानों से जैविक खेती अपनाने की अपील करते हुए बताया कि इससे भूमि की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहती है और फसल की गुणवत्ता भी बेहतर होती है।

शर्मा ने कहा कि अब समय है कि किसान रासायनिक खेती से जैविक खेती की ओर लौटें, ताकि मिट्टी, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

राजस्थान मिष्ठान से लिए मिठाईयों के सैंपल

दीपावली से पहले प्रशासन सक्रिय: होटलों पर एलपीजी सिलेंडर की जांच

नर्मदापुरम, निप्र। नर्मदापुरम में दीपावली नजदीक आते ही खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। रविवार को कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर गठित संयुक्त जांच दल ने शहर के प्रमुख मिष्ठान भंडारों और होटलों का निरीक्षण किया। इस दौरान मिठाइयों के सैंपल लिए गए और गैस सिलेंडरों की भी जांच की गई।

नगरीय तहसीलदार सरिता मालवीय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा और कमलेश दियाबार, तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अमित साहू की टीम ने नर्मदापुरम बाजार क्षेत्र में जांच अभियान चलाया।

निरीक्षण के दौरान जीआरवी होटल, सुंदरम बेकरी, न्यू राजस्थान मिष्ठान भंडार (रेलवे स्टेशन रोड) और राजस्थान मिष्ठान भंडार (इंदिरा चौक) सहित अन्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई।

मिठाई के सैंपल जांच के लिए भेजे जाएंगे: टीम ने मलाई बर्फी और मावा कतली के नमूने लेकर लैब जांच के लिए भेजे हैं। इसके अलावा केला जी होटल और अन्य खाद्य निर्माण इकाइयों का भी निरीक्षण किया गया।जांच के दौरान होटलों में उपयोग किए जा रहे एलपीजी सिलेंडरों की भी जांच की गई ताकि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

तहसीलदार ने दी जानकारी: तहसीलदार सरिता मालवीय ने बताया कि दीपावली के अवसर पर मिलावटी मिठाइयों की शिकायतें बढ़ जाती हैं। इसलिए प्रशासन द्वारा नियमित रूप से जांच अभियान चलाया जा रहा है। लिए गए सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

51 लाख साइबर धोखाधड़ी की आरोप महिला गिरफ्तार

इटारसी। *इटारसी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी 51 लाख रुपए की साइबर ठगी की आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ये कार्रवाई आंध्रप्रदेश पुलिस से मिले इनपुट के बाद की है। जीआरपी थाने से मिली जानकारी के अनुसार आंध्रप्रदेश के एलुरु टाउन थाना पुलिस से जानकारी मिली थी कि ट्रेन संख्या 07075 गोरखपुर एक्सप्रेस से एक संदिग्ध महिला सफर कर रही है। दोपहर करबी डेढ़ बजे पुलिस टीम ने इटारसी पहुंची ट्रेन में महिला को पकड़ा। रविवार को महिला को आंध्रप्रदेश पुलिस के हवाले कर दिया गया। क्या है मामला बताया जा रहा है कि आरोपी महिला पर डिजिटल अरेस्ट के नाम पर एक 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला से 51 लाख रुपए की ठगी करने का आरोप है। पीड़ित महिला के बच्चे विदेश में रहते हैं।*

घर-घर जाएंगी टीमें, 21 हजार बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य

सांसद ने बच्चों को पिलाई पोलियो दवा

पिपरिया, निप्र। पिपरिया में पल्स पोलियो अभियान रविवार को सरकारी सिविल अस्पताल की देखरेख में शुरू हुआ। गांव और शहर के 203 केंद्रों पर छोटे बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। पहले दिन रविवार शाम तक 12 हजार बच्चों को दवा पिलाई जा चुकी है। अभियान के तहत, होशंगाबाद-नरसिंहपुर सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने तहसील केंद्र में बच्चों को दो बूंद पोलियो ड्रॉप पिलाई। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष कुसुमलता पटेल, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रशांत रघुवंशी और नीतिराज पटेल ने भी बच्चों को दवा पिलाई।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का लक्ष्य पोलियो को जड़ से खत्म करना है, और इस दिशा में काम अंतिम चरण में है।

बीएमओ डॉ. ऋचा कटकवार ने बताया कि कुल 21 हजार बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। पीएल मेहर के अनुसार, सोमवार को स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी।

रेलवे स्टेशन पर भी रेलवे अस्पताल के डॉ. आर. आर. कुर्रे पोलियो दवा पिलाने की घोषणा करते हुए देखे गए, ताकि यात्रा करने वाले बच्चों को भी यह सुविधा मिल सके।

प्रतिमा का जलाभिषेक किया जाएगा, कुर्मी क्षत्रिय समाज की बैठक

31 अक्टूबर को सरदार पटेल जयंती पर निकलेगी रैली

इटारसी ■ अमृत दर्शन

जिला कुर्मी क्षत्रिय समाज ने 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती मनाने के लिए एक बैठक आयोजित की। यह बैठक पुरानी इटारसी स्थित वल्लभ सरदार पटेल समाज भवन में हुई।

बैठक की अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ सदस्य सुधीर पटेल ने की। इसमें जयंती समारोह की रूपरेखा पर चर्चा हुई, जिसमें युवाओं और वरिष्ठ सदस्यों ने अपने विचार बताए। लगभग तीन घंटे चली इस बैठक में सर्वसम्मति से 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने का निर्णय लिया गया।

आयोजन के तहत नर्मदापुरम की नर्मदा नदी से जल लाकर इटारसी के सतरास्ता स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर जलाभिषेक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एक वाहन रैली निकालने पर भी सहमति बनी है।

बैठक में कुशल पटेल, नवीन पटेल, शिव किशोर रावत, राजेश पटेल, रामगोपाल मलैया, चंद्रगोपाल मलैया, भगवती चौरे, उमेश पटेल, बाबू चौधरी, बहादुर चौधरी, आरके चौरे और मोहन गौर सहित कई सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने समाजजनों से जयंती समारोह और रैली में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

इस अवसर पर चंचल पटेल और संतोष पटेल सहित अन्य समाजजन भी उपस्थित रहे और अपने विचार व्यक्त किए।

शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का मामला, प्रशासन ने लगाया 20,000 का जुर्माना

सिवनी मालवा, निप्र।

ग्राम झाड़बीडा में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामले में तहसील प्रशासन ने जांच पूरी कर दोषी पर जुर्माना अधिरोपित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नायब तहसीलदार सिवनी मालवा द्वारा की गई जांच में पाया गया कि ग्राम झाड़बीडा की खसरा नंबर 794 रकबा 8.510 हेक्टेयर भूमि एवं खसरा नंबर 668/4 रकबा 3.460 हेक्टेयर भूमि पर अवैध कब्जा कर खेत जोते गए और पेड़ काटे गए।

जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया कि उक्त भूमि शासकीय है, जिस पर बिना अनुमति के निर्माण और बाड़बंदी की गई। जांच के दौरान ग्रामीणों के बयान और माप निरीक्षण में यह तथ्य प्रमाणित हुआ कि भूमि पर अवैध गतिविधि की गई थी।

राजस्व अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार अजय उर्फ अंजु तिवारी पिता शीतल प्रसाद तिवारी निवासी बराखड़खुर्द, तहसील सिवनी मालवा को दोषी पाया गया है। म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 253 के तहत उन पर ?20,000 (बीस हजार रुपये) का अर्थदंड लगाया गया है।

न्यायालय ने निर्देश दिए हैं कि यह अर्थदंड राशि वसूल कर राजस्व मद में जमा कराई जाए।

प्रशासन ने कहा है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कदमताल मिलाते अनुशासन में चले 1500 स्वयंसेवक, आरएसएस का पथ संचलन, जगह-जगह हुई पुष्प वर्षा

नर्मदापुरम, निप्र। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आज रविवार को नर्मदापुरम में पथ संचलन निकाला गया। इसमें 1500 से ज्यादा स्वयंसेवकों ने घोष की धुन पर कदमताल किया और भारत माता की जय के नारे लगाए। संचलन एसएनजी स्टेडियम से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस स्टेडियम पर समाप्त हुआ। इस दौरान शहरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

दादा गुरु बोले- विश्व कल्याण की भावना वाला ही स्वयंसेवक: कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखंड निराहार समर्थ सद्?गुरु अवधूत सिद्ध महायोगी दादा गुरु उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा, स्वयं सेवक वो जिसके चित में कोई जाति, ऊंच नीच का भाव नहीं। केवल परिवार, एक संस्कृति और एक ध्वज के नीचे सभी के साथ हो। एक धर्म, एक धरा और एक परिवार कल्पना किसी के चित के अंदर है, वहीं हमारा स्वयं सेवक है। विश्व के कल्याण की भावना जिसके अंदर है, वहीं स्वयं सेवक है।

शताब्दी वर्ष उत्सव का नहीं, आत्मचिंतन का अवसर: विभाग प्रचार प्रमुख संतोष नौरिया ने बताया कि इस वर्ष विजयादशमी के दिन संघ के 100 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। उन्होंने कहा, यह अवसर उत्सव का नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, समाज के प्रति आभार और राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए स्वयं को पुन: समर्पित करने का है। उन्होंने बताया कि आने वाला वर्ष संघ कार्य के विस्तार, सुदृढ़ीकरण और गुणवत्ता पर केंद्रित रहेगा।

एसएनजी स्टेडियम से शुरू हुआ संचलन: यह विशाल पथ संचलन एसएनजी स्टेडियम ग्राउंड से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में अमृतवचन, एकल गीत, बौद्धिक और शस्त्र पूजन हुआ। इसके बाद घोष की धुन के साथ संचलन विवेकानंद घाट, मीनाक्षी चौक, एकता चौक होते हुए वापस स्टेडियम पहुंचकर समाप्त हुआ। यह संचलन देशभर में 2 से 12 अक्टूबर तक आयोजित हो रही कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा है।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया माल्यार्पण

सिवनी मालवा, निप्र। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल सिवनी मालवा द्वारा आज नया बस स्टैंड पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति पवन शुक्ला, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संतोष पारीक, नगर मंडल अध्यक्ष नीरज तिवारी, नगर महामंत्री अतुल बकोरिया, ऋषिकांत पटवा, तुषार लोवंशी, राजेश बाथव माखन लोवंशी, मनोज कपिल, चंद्रकांत पैंटी कुशवाह, नरेश जायसवाल, मयंक राठौर अशोक धाकड़ सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे

राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी की जयंती पर सभी कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया। वातावरण राजमाता अमर रहें के नारों से गूंज उठा इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति पवन शुक्ला ने कहा कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाकर जनकल्याण के कार्यों में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया। उनका त्याग, समर्पण और राष्ट्रभक्ति हमें सदैव प्रेरित करती रहेगी नगर मंडल अध्यक्ष नीरज तिवारी ने कहा कि राजमाता सिंधिया जी नारी सशक्तिकरण की सजीव प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो. 9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन -इ/ए/304/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।